



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 15, 1978 (आषाढ़ 24, 1900)  
No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 15, 1978, (ASADHA 24, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जून 1978

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जून 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० II.—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० II ए० 12019/1/75-प्रशा०-II दिनांक 5-6-1978 का आंशिक संशोधन करते हुए, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी अधीक्षक (हल०) व तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक नियंत्रक (तथ्य संसाधन) श्री एम० एल० धवन को उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर 12 जून, 1978 से 11 सितम्बर, 1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

प्रा० ना० मुखर्जी,  
उप सचिव,  
कृते अध्यक्ष,  
संघ लोक सेवा आयोग

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० I.—संघ लोक सेवा आयोग के सर्वग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) श्री के० सुन्दरम को जिन्हें समसंख्यक आदेश दिनांक 13-3-78 द्वारा 31-5-78 तक पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 31-8-78 तक तीन माह की प्रोत्तरी अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 जून 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-5-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० जसूजा को, राष्ट्रपति द्वारा

18-6-78 से 15-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० II (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-5-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० एन० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 18-6-78 से 7-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० 32014/1/78-प्रशा० III(3)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-5-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा स्वर में स्थायी सहायक श्री जय नारायण को, राष्ट्रपति द्वारा 17-6-78 से 7-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,  
उप सचिव,  
(प्रशामन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978

सं० 38 आर० सी० टी० 7—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री एन० एल० लखनपाल, आई० ए० एस०, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 14-6-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से उप सचिव (प्रशिक्षण) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जून 1978

सं० 67 आर० सी० टी० 22—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता, श्री एच० डी० सूद, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 7 जून, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक, स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1978

सं० 76 आर० सी० टी० 38—श्री एस० एल० गर्ग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी निजी सहायक, जिसे आयोग की अधिसूचना सं० 1/6/76-प्रशासन दिनांक 25-8-76 द्वारा वरिष्ठ निजी सहायक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया

था 15 अप्रैल, 1978 (अप्रराह्न) से निजी सहायक प्रति-बर्तित हो गये।

श्री निवास,  
अवर सचिव,

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1978

सं० एम-82/67-प्रशा० 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० सी० माधुर, तकनीकी अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 9-6-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न तकनीकी सलाहकार (लेखा एवं आयकर), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1978

सं० के-9/71-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री के० एन० शर्मा, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 19-5-78 के पूर्वाह्न से श्री के० शौर्याह, वरिष्ठ लोक-अभियोजक जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर दिनांक 19-5-78 से दिनांक 2-7-78 तक 45 दिन की अवधि के लिए वरिष्ठ लोक अभियोजक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1978

सं० ए०-19021/8/78-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० के० कैन, भारतीय पुलिस सेवा (1970-यू० टी०) को दिनांक 12-6-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी,

उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 जून 1978

सं० अ० दो० 985/74-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डाक्टर पी० नगेन्द्र राव, प्रथम बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, का त्यागपत्र दिनांक 12-5-78 अप्रराह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 22 जून 1978

सं० इ० 16014(2)/1/78-कार्मिक—सीमा सुरक्षा बल से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री एम० एस०

राना ने 21 जून, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० बल प्रशिक्षण रिजर्व सं० 1/2 के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

आर० सी० गोपाल,  
महानिरीक्षक

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 जून 1978

सं० बी एनपी सी/5/78—श्री ए० एस० हटकर स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (न्यमरोटा) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एव प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होगा। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

दिनांक 18 जून 1978

सं० बी एन पी/सी०/5/78—श्री एम० लक्ष्मी-नारायणा स्थाई नियंत्रण निरीक्षक को तदर्थ आधार पर बैंक नोट मुद्रणालय में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 9 जून, 1978 से 3 माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी इनमें से पहले हो उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० शिवराम,  
महा प्रबन्धक

भारत का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक का कार्यालय

महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक

बंगलूर, दिनांक 9 जून 1978

सं० स्था० I/ए० 4/78-79/169—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई/स्थापन अनुभाग अधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से केवल अस्थाई रूप से पदोन्नत करते हैं:—

1. श्री आर० पोन्नस्वामी
2. श्री के० वी० सुब्बाराव

एम० ए० सौन्दरराजन,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार बिहार का कार्यालय

(स्थानीय अंकेक्षण विभाग)

रांची-834002, दिनांक 22 जून 1978

सं० एल० ए० एडमिन-I स्थापना I-1591—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थानीय अंकेक्षण प्रशाखा के स्थाई अनुभागाधिकारी (अंकेक्षण) श्री कौशल किशोर प्रसाद को दिनांक 19-6-1978 अपराह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक बिहार के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

बुध लाल बोईपाई,  
स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार

कार्यालय, महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 23 जून 1978

सं० प्रशासन-1/1038-15/1086—महालेखाकार पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर निम्नलिखित तिथि या उनके द्वारा लेखा अधिकारी के रूप में कार्यालय महालेखाकार—केन्द्रीय में वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि में से जो बाद में पड़े, से अन्य आदेश निकलने तक बहाली करने की कृपा की है:—

सर्वश्री

(1) रंजीत कुमार लस्कर	17-6-78	पूर्वाह्न से
(2) नलिनी रंजन राय	17-6-78	"
(3) विभूति भूषण आइच	17-6-78	"
(4) गौर दास साहा	17-6-78	"
(5) समीर सेन रायचौधुरी	17-6-78	"
(6) विश्वम्भर नाथ	17-6-78	"
(7) बी० जी० राय	17-6-78	"
(8) एस० एन० चौधुरी	17-6-78	"
(9) आर० सी० हालदार	17-6-78	"
(10) अमल कृष्ण राय	17-6-78	"

लेखा अधिकारियों के परस्परिक वरिष्ठता की घोषणा यथा समय की जायगी।

पी० के० बन्धोपाध्याय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०) पश्चिम बंगाल

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस ए/एचयू/प्रशासन/पी सी/1874—श्री जे० के० दास, लेखा परीक्षा अधिकारी को भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथिक की केन्द्रीय अनुसन्धान परिषद में स्थाई समावेश दिनांक 24 दिसम्बर, 1976 (अपराह्न)

से किये जाने पर वे सरकार की सेवा से उस तिथि से सेवा निवृत्त हुए समझे जाते हैं।

श्र० ना० बिस्वास,  
मुख्य लेखा परीक्षक,  
पश्चिम रेलवे

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 23 जून 1978

सं० 68012-ए (4)/77-प्रशा० II—राष्ट्रपति सहर्ष निम्न-लिखित स्थायी लेखा अधिकारियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान स्थानापन्न रूप से उनके सामने दर्शायी गई तारीख से अगले आदेश पर्यन्त, नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदोन्नति की तारीख
1.	श्री बी० पी० जैन	29-5-1978 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० एच० सुब्रमण्यम	27-5-1978 (पूर्वाह्न)

सं० 86016(15)/77/प्रशा० II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अफसर श्री ए० आर० हनास्यम, को उसी सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1500-60-1800-100-2000) में दिनांक 19 जून, 1978 पूर्वाह्न से अगले आदेश पर्यन्त तक स्थानापन्न रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० एस० भीर  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

#### रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय मिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 13 जून 1978

सं० 13/78/ए०/ई०-I—डी० जी० ओ० एफ० निम्न-लिखित स्थायी सहायकों को, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप 'ख' राजपत्रित) के रूप में प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक, पदोन्नति करते हैं—

1.	श्री सुकुमार दास गुप्त	1-5-78
2.	श्री कनई लाल दास	1-5-78
3.	श्री पन्ना लाल दास	1-5-78

डी० पी० चक्रवर्ती  
सहायक महानिदेशक आ० फैक्ट०/प्रशासन-2  
कृते महानिदेशक, आर्डनेन्स, फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1978

आयात निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/439/56-प्रशासन(राज)/4358—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण श्रेणी के स्थानापन्न अधिकारी, श्री तख्त राम को 1 मई, 1978 के बर्तमान से 3 माह की अवधि के लिये इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वे० शोषाद्रि,  
मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

#### भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1978

सं० 4/4/78-एम० (पर्यटन)—बाल कृष्ण थापर, अपर महानिदेशक, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और पुरावशेष नियमावली 1959 के नियम 6 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता हूँ कि सम्राट शाहजहां के वार्षिक 'उर्म' समारोह के उपलक्ष्य में निम्नलिखित विना में आगरा के ताजमहल, में प्रवेश पाने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

- (1) 2-7-78 को 4.00 बजे अपराह्न से 1.00 रात्रि तक
- (2) 3-7-78 को 2.00 बजे अपराह्न से 4.00 प्रातः तक
- (3) 4-7-78 को 6.00 बजे पूर्वाह्न से 4.00 प्रातः तक

बाल कृष्ण थापर,  
अपर महानिदेशक

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1978

सं० ए० 12026/11/78-प्रशासन 1—निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री जे० एन० अडेलजा आर्टिस्ट को 31-5-78 से 15-7-78 तक के लिए अवकाश प्रदान किये जाने पर उनके स्थान पर स्थाई उत्पादन सहायक श्री बी० सी० मंडल, को इस विभाग में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में आर्टिस्ट नियुक्त करते हैं।

2. यह नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और इससे श्री मंडल को आर्टिस्ट ग्रेड में नियमित नियुक्ति का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा। उनकी यह सेवा उस ग्रेड में वरीयता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

इन्दरराज सिंह,  
उप-निदेशक (प्रशासन)  
कृते निदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1978

स० ए० 38012/1/78-स्टोर I—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर श्री के० गगय्या, उप सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर) सरकारी चिकित्सा स्टोर डीपु, मद्रास, 31 मई, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

स० ए० 38013/2/78-स्टोर-1—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर सहायक डीपु प्रबन्धक (सुप डी० राज-पत्रित), सरकारी चिकित्सा स्टोर डीपु मद्रास के सर्वश्री पी० जी० श्रीनिवासलु तथा एम० मुनुस्वामी 31 मई, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सगत सिंह  
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1978

स० 12023/1/77-बी० सी० जी०/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एन० रामासुब्रमणी को 9 जून, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिन्डी, मद्रास में प्रशासन अधिकारी के अस्थाई पद पर नियुक्त किया है।

स० ए० 31014/7/77-ए० आई० आई० पी० एन० आर०/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती एन० ए० केलकर को 10 अगस्त, 1978 से अखिल भारतीय शारीरिक आर्थोविज्ञान और पुनर्वासि संस्थान, बम्बई के चिकित्सा समाज परक-कार्य विभाग में मुख्य अधिकारी के पद पर स्थायी पर नियुक्त किया है।

दिनांक 26 जून 1978

स० ए० 12025/47/76-(बी० सी० जी०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्री आई० शमीम अहमद को 3 जून, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिन्डी, मद्रास में रेफीजरेशन इजीनियर के अस्थायी पद पर नियुक्त किया है।

स० ए० 23014/1/78-(सी० आर० आई०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० सी० शान्दिलय को 1 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसन्धान संस्थान, कसौली में स्टोर अधिकारी के अस्थायी पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक प्रशासन (स० व प०)

## कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 22 जून 1978

स० ए० 19023/52/78-ए० III—सघ लोक सेवा आयोग की सस्तुतियों के अनुसार श्री एच० पी० सिंह,

सहायक विपणन अधिकारी को दिनांक 27 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागपुर में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

2 विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री सिंह ने दिनांक 27-5-78 के पूर्वाह्न से नागपुर में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

वेद प्रकाश चावला,  
निदेशक (प्रशासन)  
कृषि विपणन सलाहकार

## दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 21 जून 1978

स० 3-4/78-स्थापना(विशेष) —महा प्रबन्धक, दिल्ली दुग्ध योजना, श्री आर० के० जैन, महालेखाकार कार्यालय हरियाणा, चण्डीगढ़ के लखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्य) को दिनांक 1-6-78 (अपराह्न) से दिल्ली दुग्ध योजना में प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अगले आदेश जारी होने तक आन्तरिक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ओम प्रकाश गिरोत्रा,  
उपमहा प्रबन्धक

## परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 1 जून 1978

स० पी० पी० ई० डी०/3(236)/78-प्रशासन/6652—बम्बई स्थित विद्युत परियोजना इजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक, इस प्रभाग के निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक के लिये उसी प्रभाग में अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं :—

क्रम स०	नाम	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद, यदि कोई है
1.	श्री यू० एस० शेख	नक्शानवीस 'सी'	नक्शानवीस 'बी'
2.	श्री टी० पी० पेली	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	वैज्ञानिक सहायक 'बी'
3.	श्री एन० एन० तन्दूर्कर	नक्शानवीस 'सी' (स्थायीवत्)	—
4.	श्री एस० बी० बुलख	नक्शानवीस 'सी' (स्थायीवत्)	—
5.	श्री थॉमस जॉर्ज	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	—
6.	श्री पी० गुरु राज	फोरमैन	सहायक फोरमैन

दिनांक 12 जून 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3(283)/76-प्रशा०/7086—निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी० बसु को, 29 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 30 जून, 1978 के अपराह्न तक की अवधि के लिये उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० आर० कुलकर्णी के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर चले गये हैं।

दिनांक 16 जून 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3(208)/76-प्रशासन/7298—वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी श्री ए० पी० आनन्द को, उनका तबादला भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र से हो जाने पर, एतद्द्वारा 5 जून 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में उसी पद पर नियुक्त किया जाता है।

बी० बी० थाटे, प्रशासनिक अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 जून 1978

सं० क्र० भ० नि०/2318/77-संस्थापन/16131—निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जी० एल० हल्दीपुर, लेखा अधिकारी II, क्षेत्रीय लेखा यूनिट कोटा, को अवकाश स्वीकृत होने पर इस निदेशालय के सहायक लेखा अधिकारी, श्री अब्दुल अजीज शेख को दिनांक 27-4-78 से 3-6-78 (अपराह्न) तक, स्थानापन्न लेखा अधिकारी II के पद पर, रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनक्रम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

आकषर टी० ए० पी० पी०, दिनांक 17 जून 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-आर—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थायी वैयक्तिक सहायक श्री बी० के० पी० पिल्लै को तारापुर परमाणु बिजलीघर में तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-960 के वेतनक्रम में दिनांक 1 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-आर—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी वैयक्तिक सहायक तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न

सहायक कार्मिक अधिकारी श्री बी० के० पी० पिल्लै को अगले आदेशों तक तारापुर परमाणु बिजलीघर में नियमित रिक्ति में दिनांक 10 जून, 1978 (अपराह्न) से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/2/1298/77—परमाणु ऊर्जा विभाग के कार्यालय आदेश संख्या 20/5 (1)/75-सी० सी० एस०, दिनांक 26 मई, 1978 के अनुसार परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण बम्बई में स्थानांतरण हो जाने के फलस्वरूप, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में स्थायी सहायक तथा तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री जी० ए० कौलगुड ने दिनांक 10 जून, 1978 (अपराह्न) से तारापुर परमाणु बिजलीघर में अपना कार्यभार छोड़ दिया।

ए० डी० देसाई  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 23 जून 1978

सं० प० ख० प्र०-1/28/77-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एतद्द्वारा श्री सुरेश कुमार मिन्हा को उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप में 1 मार्च 1978 की पूर्वाह्न से 31 मई, 1978 की अपराह्न तक की अवधि के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

श्री मिन्हा का त्यागपत्र 31 मई, 1978 की अपराह्न से स्वीकार किया गया है :

दिनांक 24 जून 1978

सं० प० ख० प्र०-1/76/77-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा श्री आर० आर० बन्द्योपाध्याय को परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप में दिनांक 27 मई, 1978 से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० रंगानाथन  
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560 025, दिनांक 16 जून 1978

सं० 10/5 (33)/77-सि० इं० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को इंजीनियर एम० बी० के पद पर इसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप

में दिनांक 1 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं ।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान मंभाला हुआ पद
1	2	3
1.	श्री एस० जी० आदिकेशवन	तकनीकी सहायक 'सी०'
2.	श्री के० वेंकटेश्वरलू	तकनीकी सहायक 'सी०'

हस्ता०  
पी० आई० यू० नम्बियार  
प्रशासन अधिकारी-II  
कृते मुख्य इंजीनियर

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1978

(1) सं० ए० 32013/16/76 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० एम० कुमारस्वामी, सहायक संचार अधिकारी, नागर विमानन विभाग (मुख्यालय) को दिनांक 2-6-1978 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हे उसी स्टेशन पर तैनात किया है ।

(2) सं० ए० 32013/16/76 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री आई० आर० मैन्नन, सहायक संचार अधिकारी जो इस समय नागर विमानन विभाग (मुख्यालय) में उपनिदेशक सूचना और विनियम के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत हैं, की दिनांक 2 जून 1978 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर प्रोफार्मा पदोन्नति की मंजूरी दे दी है ।

दिनांक 24 जून, 1978

सं० ए० 31011/3/77 ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सात अधिकारियों को दिनांक 1 मार्च, 1978 से नागर विमानन विभाग में बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
1.	श्री एम० एस० कृष्णन, उप निदेशक	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)
2.	श्री एस० के० दास, क्षेत्रीय निदेशक संचार	कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता
3.	श्री ए० एन० नाथ, नियंत्रक संचार	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास

1	2	3
4.	श्री बी० एस० ग्रेवाल, नियंत्रक संचार	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता
5.	श्री बी० आर० चतुर्वेदी सहायक निदेशक संचार	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)
6.	श्री जे० के० भट्टाचार्य, सहायक निदेशक संचार	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)
7.	श्री पी० एस० श्रुता, सहायक निदेशक संचार	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)

सत्य देव शर्मा,  
उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1978

सं० ए० 32013/5/77 ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित विमान क्षेत्र अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से तथा अन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमान क्षेत्र संगठन में, स्थानापन्न रूप में, बरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तारीख	तैनाती स्टेशन
1	2	3	4
1.	श्री एच० डब्ल्यू अम्बलेर	16-5-78	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र बमरौली (इलाहाबाद)
2.	श्री कृपा शंकर	12-6-78	सफदरजंगा एयरपोर्ट, नई दिल्ली

विश्व विनोद जौहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 27 जून 1978

सं० 21/78—श्री बी० आर० नन्दा स्थानापन्न, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक (लेखापरीक्षा) के पद का कार्य-भार दिनांक 28-2-78 (अपराह्न) को श्री आई० एस० के० शिवपुरी, अधीक्षक (लेखा परीक्षा) और अधिवापिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा में दिनांक 28-2-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए ।

के० प्रकाश आनन्द  
समाहर्ता

## सीमाशुल्क/स्थापना

मद्रास, दिनांक 23 जून 1978

सं० 2/78—श्री टी० जयराजन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 19 मार्च, 1978 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैमर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

सं० 3/78—श्री एम० वी० जयनारायन नायर को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 2 जून, 1978 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैमर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

एम० जी० वैष्णवा,  
सीमाशुल्क समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 20 जून 1978

क्रमांक 7/78—श्री के० ई० संजाना, जो पिछले दिनों अधीक्षक (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय नागपुर का कार्यभार संभाल रहे थे, सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर इतवार दिनांक 30-4-1978 के पूर्वार्द्ध से सेवामुक्त हो गये हैं।

माधव परलकर,  
समाहर्ता

पटना, दिनांक 21 जून, 1978

मि० सं० 11 (7) 2-स्था०/78—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 77/78 दिनांक 28-2-78, जैसा की स्थापना आदेश सं० 107/78 दिनांक 7/4/78 द्वारा संशोधित किया गया है, के अनुसरण में निम्नलिखित निरीक्षकों को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रु० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्ते के सहित वेतनमान पर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क ग्रुप 'बी' में पदोन्नत किया गया। इस आदेश के अनुसरण में उनके नाम के सामने दिए गए स्थान, तिथि और समयानुसार उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया।

नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्य ग्रहण तिथि
1. श्री तुफैल अहमद,	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद कारबिसगंज	21-3-78 (पूर्वार्द्ध)
2. श्री के० एम० मल्लिक	अधीक्षक (डीलिमिटेशन के० उ० (मु०) पटना)	2-5-78 (पूर्वार्द्ध)

मि० सं० 11 (7) 2-स्था०/78—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 75/78 दिनांक 27-2-78 के अनुसरण में श्री एस०

एम० जेड कुली निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रु० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्ते के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क ग्रुप 'बी' के रूप में पदोन्नत दिया गया। इस आदेश के अनुसरण में उन्होंने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क परिक्षेत्र मिट्टी में दिनांक 9-3-78 के पूर्वार्द्ध में कार्यभार ग्रहण किया।

हस्ताक्षर अपठनीय  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 जून, 1978

सं० ए-19012/719/78—प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री आर० ए० ओक, अनुसंधान सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरिंग) की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर 2 जून, 1978 से 31-10-1978 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा,  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

## निर्माण महानिदेशालय

## केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली दिनांक 21 जून 1978

सं० 27-ई० एस० (56)/69-ई० सी०-II—श्री एम० बी० शिवदासानी, कार्यपालक, इंजीनियर (सिविल), बम्बई विमानन मंडल-II, के० लो० नि० वि०, बम्बई का देहान्त 23 अप्रैल, 1978 को हो गया।

एच० एस० चावला,  
अनुभाग अधिकारी  
कृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1978

सं० 33/7/76-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री वी० एस० महाजन को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में उप-वास्तुक सामान्य (केन्द्रीय सेवा वर्ग-क) के अस्थायी पद पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन दो वर्ष की परीक्षा अवधि के संतोषजनक ढंग से पूरा होने पर नियमानुसार नियत किया जाएगा। फिलहाल वे सामान्य शर्तों पर 28-4-78 (पूर्वार्द्ध) से 700-40-900-दक्षता रोक-40-1100-50-1300 रु० (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 700/- रु० मासिक वेतन लेंगे।



2. श्री बी० एस० महाजन 28-4-1978 से दो वर्ष की परि-  
बीक्षा अवधि पर रहेंगे।

दिनांक 15 मई, 1978

सं० 1/4/69-ई० सी०-9—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक  
निर्माण के सहायक वास्तुक श्री अवतार सिंह कपूर के दिनांक  
5-12-77 का सेवानिवृत्ति संबंधी नोटिस स्वीकार कर लिया है।  
तदनुसार श्री अवतार सिंह कपूर को दिनांक 31-3-78 (अप्रराह्न)  
से सेवानिवृत्त समझा जाए।

दिनांक 23 जून 1978

सं० 1/91/69-ई० सी०-9—निर्माण और आवास मंत्रा-  
लय के दिनांक 6-6-78 के अ० वि० सं० 117/अ० सं० (स्था०  
का०)/गोपनीय/78 से जारी हुए आदेश के अनुपालन में, श्री टी०  
एस० गिल, वरिष्ठ वास्तुक, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली लोक-  
हित में, मूल नियम 56 (जे०) के अधीन दिनांक 8-6-78 (बोपहर  
बाद) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति हो गए हैं।

कृष्ण कान्त,  
प्रशासन उपनिदेशक

**विधि, म्याग और कम्पनी कार्य मंत्रालय**

**(कम्पनी कार्य विभाग)**

**कम्पनी विधि बोर्ड**

**कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय**

“कम्पनी अधिनियम 1956 और ओमना फार्मेस  
एण्ड चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2976/2877—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-  
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान  
पर ओमना फार्मेस एण्ड चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम  
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया  
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नवदीप चिट फन्ड  
एण्ड फार्मेस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड (लिक्वीडेशन)  
के विषय में

जालंधर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जी०/स्टेट/लिक्वी०/560/2707/2880—कम्पनी  
अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण  
में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नवदीप चिट फण्ड एण्ड फार्मेस  
कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया  
है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं गुरमीत कन्सट्रक्शन्स  
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3229/2883—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-  
द्वारा सूचना दी जाती है कि गुरमीत कन्सट्रक्शन्स प्राईवेट लिमिटेड  
का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी  
विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डेन्टोजोन कोसमेटिक्स  
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 21 जून 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3280/2883—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-  
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान  
पर डेन्टोजोन कोसमेटिक्स प्राईवेट लिमिटेड, का नाम इसके  
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया  
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।]

सत्य प्रकाश सायल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश, व चण्डीगढ़।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दीक्षित टेक्सटाइल  
मिल्स लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जून 1978

सं० 557/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दीक्षित  
टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न  
किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी  
विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सेटलास इण्डिया  
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जून 1978

सं० 1774/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेटलास  
इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न  
किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी  
विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जनता जनार्दन सेवा  
फार्मासिअल एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जून 1968

सं० 2357/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जनता जनार्दन सेवा फार्मासिअल एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टेलिकम्युनिकेशन् एण्ड इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 22 जून 1978

सं० 2417/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टेलिकम्युनिकेशन् एण्ड इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और माक-सिंग इलेक्ट्रिकल इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 23 जून 1978

सं० 2165/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर माक-सिंग इलेक्ट्रिकल इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मीनाक्षी मैसूर मिल्स लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 23 जून 1978

सं० 1506/560/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मीनाक्षी मैसूर मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि जगदेव बिसिनेस कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 जून 1978

सं० 980/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि जगदेव बिसिनेस कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर पैकेजिंग इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 जून 1978

सं० 2086/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर पैकेजिंग इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसूर सिलिकेट्स एंड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 जून 1978

सं० 2091/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर सिलिकेट्स एंड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इण्डस्ट्रियल फाइनेन्स इन्वियपमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 26 जून 1978

सं० 2939/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इण्डस्ट्रियल फाइनेन्स इन्वियपमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम, 1956 और की उत्कल चलचित्र प्रतिष्ठान प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस० उ० 8351/1094(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा

द्वारा सूचना दी जाती है कि को उत्कल खलजित प्रतिष्ठान प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इम्पीरियल इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।  
कटक, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस० उ० 495/1093(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इम्पीरियल इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उड़ीसा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस० उ० 504/1096(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-

द्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उड़ीसा मिनेरल्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 23 जून 1978

सं० एस० उ० 643/1095(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा मिनेरल्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
उड़ीसा

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 मई, 1978

निदेश नं० 1427 ए०/ अर्जन/ मेरठ/ 77-78 —अतः

मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 27-10-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तातू :—

(1) श्री सुरेश चन्द नागर पुत्र चन्द्र शेखर नागर नि०  
पुरवा महावीर अहता गंगाराम केसरगंज मेरठ।  
(अन्तरिती)

(2) श्रीमती ऊषा रानी पत्नी महेश कुमार नि० 285,  
थापर नगर, मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बुमजिली दुकान नं० 161 स्थित कैसरगंज  
मंडी, मेरठ-61000 के विक्रय मूल्य में बेशी गयी।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-5-78  
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जून 1978

निदेश सं० 18-टी०/अर्जन —अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० डब्ल्यू० बी०-7/ 283-डी० का भाग है तथा जो बजरिया सन्दल खाईगलिसगंज बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कृष्णा लाल पुत्र मुखराज

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोकीनाथ साहानी पुत्र हुकुमचन्द साहानी

(अन्तरिती)

(3) श्रिकेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान आपके बजरिया सन्दल खाई गलिसगंज बरेली क्षेत्रफल 374.40 स्कायरमीटर तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म नं० 37-जी० संख्या 4773 तथा सेलडीड में वर्णित है और जो कि सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 29-10-1977 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-6-1978

मोहर :

प्रकृप आई० डी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० / एयू० / II/ अक्टूबर-11 (32)/

180/77-78/1375—अतः मुझे, जे० एस० गिल

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू०-167 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या धन्य धातियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :—

(1) श्रीमती शुक्ला सुरी, पत्नी श्री सुवर्शन कुमार सुरी तथा श्रीमती उमा सुरी, पत्नी श्री राज कुमार सुरी, निवासी 37 ई/10, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुक्ता लक्ष्मण गोपालानी, पत्नी श्री लक्ष्मण गोपालानी, निवासी ई-225, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 167, ब्लॉक नं० 'डब्ल्यू०' जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, जोकि निवासी कालौती ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सविस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू०-165।

दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू०-167 ए।

जे० एस० गिल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई, 1978

निर्देश नं० पी० आर० 579/19-7/78-79 :—अतः

मुझे डी० सी० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2 नोंध नं० 1690 है, तथा जो जुड़ा शेरी, सग्रामपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

(1) श्री अनील कुमार मोहन लाल बुन्की सग्रामपुरा, जुड़ा शेरी सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त सोभा भाई सोरडिया जुड़ा शेरी, सग्रामपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 2 नोंध नं० 1690 सग्रामपुरा जुड़ा शेरी, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 137 वर्गगज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अक्तूबर, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1557 में प्रदर्शित है ।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II

अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज अहमदाबाद

दिनांक 6 मई, 1977

निर्देश सं० पी० आर०/5808/एसीक्यू०/23-1952

19-7-77-78:—अतः मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 13, बोंध नं० 755 है तथा जो बीवाली बाग, अठवा, साइन्स, सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अवतूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्ब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः:—

1. श्री गणेशभाई हरीदास एलियास, हरीभाई पटेल, साधना सोसायटी, बराछा रोड, सुरत।

(अन्तरक)

(2) 1. सेवतीलाल प्रेमचन्द शाह, (2) रसीलाबेन सेवन्ती लाल शाह 7, अयाम्बल भवन, मिडल स्कूल के पीछे गोपीपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो नोंध नं० 755 बार्ड नं० 13 बीवाली बाग, अठवा, सुरत में स्थित है जिसका कुल माप 337.8 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुरत के अवतूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1889 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 6-5-1978

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई, 19 8

निंश सं० पी० आर० 581/7० सी० क्यू०-23-1053/  
19-7/77-78:—अतः मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 12 नोंध नं० 90 है तथा जो रानी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-156GI/78

(1) 1. बसंतलाल रतन लाल पारेख, 36, दाराबशा रोड़, बम्बई, 2. इन्द्रवदन हीरालाल, 3. अरविन्द हीरालाल पारेख, 4. रमणभाई रतनलाल पारेख, 5. सुरेश रतनलाल पारेख, 2 से 5 का कुल मुखतार : वसंतलाल रतनलाल पारेख, 35, दाराबशा रोड़, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री कालीदास छोटालाल गज्जर 10/3072, कंसकी-वाड़, रानी तलाब, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 12, नोंध नं० 90 पैकी रानी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 85 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अक्टूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2854 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1978.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 582/ए० सी० क्यू० 23-1054/19-7/77-78.—अतः मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिम्मी सं० वार्ड नं० 12 नोंध नं० 90 है तथा जो रानी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. वसंतला । रतनलाल पारेख, 36, दाराबशा रोड़, बम्बई, 2. इन्द्रवदन हीरा लाल पारेख, 3. अरविन्द हीरालाल पारेख, 4. रमेश भाई रतनलाल पारेख, 5. सुरेश रतनलाल पारेख, दो से पांच का कुल मुखतार, वसंतलाल रमणलाल पारेख, 36, दाराबशा रोड़, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) सुरेन्द्र छोटालाल गजजर, 12/3802, रानी तलाब, कंसकी वाड़, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 12 नोंध नं० 90 पैकी रानी तलाब, मेन रोड़, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के अक्टूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2855 में प्रदर्शित है ।

डी० सी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1978.

मोहर :

प्रकृप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 584/ए०सी०क्यू०/23-996/

6-1/77-78:—अतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० सं० 99/1, और 144-ए, विभाग बी टीका नं० 12/2 है तथा जो बाबाजीपुरा, वार्ड नं० 7, खारीबाव, रावपुरा, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार गें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शरदचन्द्र विनायकराव मांगडे, रावपुरा, खारीबाव रोड, बालेराव नो खांची, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) डा० अरविन्द चंदलाल शाह, 1, गौरव, पानी गेट, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान जिसका सी० एम० नं० 99/1, और 144-ए (पैकी) विभाग बी टीका नं० 12/2, बाबाजीपुरा, वार्ड नं० 7, खारीबाव रोड, रावपुरा, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल माप 2731 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के अक्टूबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2663 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जून, 1978

निदेश सं० पी० आर०-591/ए० सी० न्यू० : 23-132/19-8/77-78:—अतः मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 10, नोंध नं० 968-98 है तथा जो आमलीरान, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती ग्रहन्यामती विधवा नरेन्द्र छगनलाल बलसारी, दस्वा रोड, खार, बम्बई, 2. दशब नरेन्द्र बलसारी, सतन फलीया, सूरत, 3. सिद्धार्थ नरेन्द्र बलसारी, खार, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री टाकोरदास छगनलाल जरीवाला, 2. कल्पन लाल छगनलाल जरीवाला, आमलीरान, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 136+93- 233 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका नोंध नं० 968-987 है तथा जिसका वार्ड नं० 10 है, तथा जो आमलीरान, सूरत में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अक्टूबर, 77 वाले बिन्नी दस्तावेज नं० 2812 में दिया गया है ।

डी० सी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29 जून, 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जापुर, दिनांक 14 जून, 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ०/अर्जन/409—यत, मुझे,  
एम० पी० वर्गिष्ठ,प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
नए पत्रों के 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
० या अधिक हैऔर जिसकी सं० डी०-17 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और  
इससे उपवाङ्म अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1977।  
को पूर्वावधि सम्पत्ति प्रयोग बाजार मूल्य का दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मालिक यह  
निर्धारित करने का कारण है कि व्यापारिक सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य इस दृश्यमान प्रतिफल से, एव  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरव (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितया) के  
नाम से सम्पत्ति प्राप्त होने पर प्राप्त सम्पत्ति, अन्तर्लिखित  
उद्धरण के उक्त अन्तरण लिखित में अन्तर्लिखित रूप से कथित  
नहीं किया गया है(क) अन्तरण या हुई किसी आय की दाखल, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आयस्त्र में कमी करने या उपाय करने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आग या किसी धन या माल या स्थिति  
या, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ एवम् अन्य द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, डिपॉजिट में  
संविदा के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-(1) श्री गोविन्द परण जोशी, टी० 17 बनीमार्ग, जयपुर।  
(अन्तरक)(2) श्री दिनेश कुमार पारवाल पुत्र श्री अन्नत लाल पारवाल,  
बडायान चौक, गोविन्दराजी का रास्ता, जयपुर।  
(अन्तरित)को यह सूचना प्रदान करके सूचित किया कि अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नीचे का आक्षेप :-

(ग) इस सूचना के दिनांक से तारीख से  
45 दिनों की अवधि के अन्तर्गत व्यक्तियों पर  
सूचना को तब तक 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से प्राप्त होगी, के अन्तर्गत पूर्वावधि  
व्यक्तियों के लिए(ख) इस सूचना के दिनांक से तारीख से  
45 दिनों के अन्तर में स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति के अन्तर्गत स्थावर सम्पत्ति के पात्र  
निर्धारित करने के लिएस्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त 'उक्त अधिनियम' का उक्त  
अधिनियम, धारा 269-ब में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है

अ. सु. क.

प्लान न० डी०- 7, सीममार्ग, प्लॉ 14, जयपुर पर स्थित  
जो अधिक विस्तृत रूप से अधिनियम, आयकर द्वारा कम संख्या  
2121 दिनांक 21-11-77 पर पंजीकृत निम्नलिखित विवरणित  
है।

एम० पी० वर्गिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक प्रायकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 14 6-78

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० आयकर/अर्जन/410:-यतः,  
मुझे, ए० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० सूर्य निवास है तथा जो जालौर में स्थित है, (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक अन्ति-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सुरजसी मोदी पुत्र श्री बरुतावरसी मोदी श्रीसवाल  
निवासी जालौर वर्तमान में गोरों का चौक, जौधपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल पुत्र बस्तीचन्द द्वारा हस्तीमल पारेख,  
एडवोकेट, जालौर।  
(अन्तरिती)

अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सूर्य निवास, कांकरिया वास, जालौर का भाग जो उप पंजियक  
उप जालौर द्वारा क्रमांक 980 दिनांक 15-10-77 पर पंजिबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

(एम० पी० वाशिष्ठ),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-6-78.

मोहर :

आरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून, 1978

निर्देश संख्या राज०/सहा०आ०/अर्जन/411:—यतः, मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूर्य निवास है तथा जो जालौर में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1977.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय तो बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सूरजसी मोदी पुत्र श्री बखतावरसी मोदी प्रोसवाल, निवासी जालौर वर्तमान निवासी गौरों का चौक जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री भीकम चन्द पुत्र वस्तीचन्द द्वारा हस्तीमल पारेख, एडवोकेट, जालौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूर्यनिवास नामक सम्पत्ति का भाग जो कांकरियावास जालौर में स्थित है और उप वंजियक जालौर द्वारा क्रम संख्या 1000 दिनांक 28-11-77 पर पंजीकृत विषय पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-6-78.

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०/अर्जुन/112:—यतः, मुझे,  
एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन गण्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० एकता नं० 27 है, तथा जो बीकानेर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पास लय, बीकानेर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5  
अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे  
अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरगणितिक के वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया  
है :--

(क) प्रकरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन देने के अन्तरक के कारण से कमी करने  
या उससे अचानक में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए, या, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री आशाराम पुत्र रघुनाथदास अग्रवाल, स्वयं एवं  
बहैसियत मुख्तारआन सर्वश्री रघुनाथदास, सुन्दरलाल  
एवं रावतमल निवासी बीकानेर हाल निवासी ई०-उप-  
नाला शाही बाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुसूदन पुत्र श्री मूलचन्द अग्रवाल, बछावत मोहल्ला,  
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकाना नं० 27, बाई नं० 17, बीकानेर का भाग जो  
उपपंजियक, बीकानेर से क्रम संख्या 43 दिनांक 5-10-77 पर  
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-6-1978.

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०/अर्जन/413:— अतः मुझे,  
एम० पी० वाशिष्ठ

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० नं० 27 है तथा जो बीकानेर में स्थित है, (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (10908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्टूबर,  
1977

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री आशाराम पुत्र रघुनाथ दास अग्रवाल स्वयं एवं  
बहैसियत मुख्ताराम सर्वश्री रघुनाथदास, सुन्दरलाल  
एवं रावतमल निवासी बीकानेर हाल निवासी-ई०  
उपनाला, सहाय बाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवकिशन पुत्र मल वन्द अग्रवाल, बछावत मोहल्ला  
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 27, का भाग, वार्ड नं० 17, बीकानेर जो उप  
पंजियक, बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 42 दिनांक 5-10-77 पर  
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-6-1978.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ०/अर्जन/414:—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 62 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति आनन्द कुमारी विधवा स्व० श्री खुमान सिंह रानावत ग्राम काकरवा तह० कपासन जिला चित्तोड़-गढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी पति श्री स्वरूप सिंह देवड़ा, निवासी नं० 62, सरदारपुरा, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरदारपुरा, उदयपुर में स्थित 7400 वर्गफुट जमीन, जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1757 दिनांक 3-10-77 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-6-78  
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ०/अर्जन/415:—यतः मुझे,  
एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 225 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1977

की पूर्वाज्ञा संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती आनन्द कुमारी विधवा स्व० श्री खुमान सिंह रानावत ग्राम कांकरवा तह कपासन जिला चित्तोड़-गढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री नाथू लाल पुत्र मोदी लाल माली पंचायत बावडी नं० 4, हाथीपोल, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सरदारपुरा, उदयपुर में स्थित 6791 वर्गफुट जमीन जो उपपंजियक उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1756 दिनांक 3-10-77 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निदेश नं० राज०/सहा० आ०/अर्जन/78-79/416—यतः, मुझे, एम० पी० वशिष्ठ, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती आनन्द कुमारी विधवा स्व० श्री खुमान सिंह रानावत, ग्राम काकरवा तह० कपासन जिला चित्तोड़-गढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण लाल पुत्र हरीरामजी माली, कृष्णपुरा नं० 25, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 27598 वर्ग फुट, सरदारपुरा, उदयपुर जो उपपंजियक उदयपुर द्वारा क्रमांक 1755 दिनांक 3-10-1977 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, उदयपुर

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/417—यतः मुझे,  
एम० पी० वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट न० 615 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,  
(और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरका) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
गणन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री छगनराज पुत्र श्री मेघराज ओसवाल, प्लॉट नं०  
713 (सी) 8वां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द पुत्र श्री मेघराज, प्लॉट नं० 615,  
11वां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

हरखीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 615, 11वां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर में स्थित  
मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रमांक 1767 ए०  
दिनांक 10-11-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप  
से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14 जून, 1978  
मोहर:

आरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०/अर्जन/418—यतः मुझे,  
एम० पी० वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट नं० 713 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15  
नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री कपूरचन्द पुत्र श्री मेघराज ओसवाल, प्लॉट नं०  
615, 11वां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री छगनराज पुत्र श्री मेघराज ओसवाल, प्लॉट नं०  
713 (सी) सरदारपुरा, 8वां रोड़, जोधपुर।  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 713 (सी), 8वां रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर में  
स्थित मकान सम्पत्ति, जो उप पण्डित, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या  
1767 ए पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

एम० पी० वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-6-1978.

होहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मनि दुबाश ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी० जे० मिस्त्रि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून, 1978

निर्देश सं० 4481/अक्तूबर/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं० आर० एस० सं० 3749 और 3750, है 'बिडफोर्ड', ऊटी-मैसूर रोड़, ऊटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊटकमण्ड (डाकुमेण्ट 1150/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1977 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ऊटकमण्ड, ऊटी-मैसूर रोड़, आर० एस० सं० 3749 और 3750 (बिडफोर्ड) में 1-53 एकड़ (मकान के साथ)—"जय-प्रकाश" ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख : 22-6-1978.  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री पोन्नम्माल ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० 4501/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27/10 "इस्ट बाइपासलु रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 2213/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1977.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(2) श्री एम० आर० बालु ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवस्थियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवस्थियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किया जा सके ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, आर० एस० पुरम, इस्ट बाइपासलु रोड, नया टी० एस० सं० 8/985/1 ए० भाग, 985/1, सी० (सैट सं० 1) डोर सं० 27/10 में 7132-1-386 स्क्वयर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 22 जून 1978  
मोहर :



प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्रीमती नाचारम्मल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एन० घुस्सामि अचारि ।

(अन्तरिती)

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

मद्रास, दिनांक 22 जून 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

निर्देश सं० 4502/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० नया टी० एस० सं० 4/58, वैसियाल स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 2231/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कोयम्बतूर, वैसियाल स्ट्रीट, नया टी० एस० सं० 4/58 में 2393 स्कुयर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—156GI/78

तारीख : 22-6-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० ०-----

(1) श्री हेचं सामा राब ।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री टी० रत्नसबापनि ।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून 1978

निर्देश सं० 4510/अक्तूबर/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 86 ए० 3, 86 ए० 4, 86 ए० 5 और 86 ए० 6, हनुमन्तापुरम अन्तरहारम, दारापुरम में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारापुरम (डाकुमेन्ट 2233/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घासेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दारापुरम, हनुमन्तापुरम अन्तरहारम, (प्लॉट सं० 2) और 86 ए० 3, 86 ए० 4, 86 ए० 5 और 786 ए० 6 में भूमि और मकान ।

के० पोन्नन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 22-6-1978.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सुबद्रा मेनन । (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) श्रीमती ललिता कृष्णमूर्ती । (अन्तरिती)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

प्रार्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जून 1978

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

राष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

निर्देश सं० 5875/अक्तूबर/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5, पहला मेयिन रोड़, कस्तूरि बाटा नगर, मद्रास-20, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एस०आर० II, सैदापेट, मद्रास (डाकुमेन्ट 686/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

## अनुसूची

मद्रास-20, अडयार, कोट्टूर गांव, कस्तूरिबा नगर, पहला मेयिन रोड़, डोर सं० 5 में 2 ग्राउन्ड और 1880 स्क्वियर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रार्जन रेंज II, मद्रास

धनः अर्ध, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 24-6-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जून 1978

निदेश सं० 5879/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 72, लेडी मादवन नायर कालनि, मद्रास 34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास, डाकुमेंट 710/77 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती एलेम्मा तामस । (अन्तरक)

(2) श्री राव गोपाल राव । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-34, तुंगम्बाक्कम, लेडी मादवन नायर कालनि आर० एस० सं० 622/1, भाग, प्लॉट सं० 72 में दो ग्राउन्ड (मकान के साथ )

के० पोन्नन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 24-6-78

मोहर :

प्रकृष आर्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणामुलम

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून, 1978

निदेश सं० 8025/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिसकी सं० मूवानल्लूर गांव, आर० एस० सं० 187/1,  
187/2, 194/4, 5, 6 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जे० एस० आर०-I, मद्रास नार्थ, (डाकुममेंट 2868/77)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री एस० हसन लाल अरिफ

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूवानल्लूर गांव, आर० एस० सं० 187/1, 187/2 और  
194/4, 5, 6।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 23-6-78  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 24 जून 1978

निदेश सं० 8031/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 100 है तथा जो गांधी अडिगल सालै,  
कुम्बकोनम में स्थित है (और इस से उपाबन्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कुम्बकोनम (डाकुमेंट 1674/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-10-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल  
के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में इन्हें कितने प्राय हो बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी  
करने या उनमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विधानों में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित धारियाँ, अधीन:—

1. श्रीमती ए० वी० कोमलवलि श्रममाल  
(वी० राजगोपाल अयंकार के द्वारा)

(अन्तरक)

2. श्री के० के० राम मूर्ती

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, गांधी अडिगल सालै, डोर सं० 100 में  
4108 स्क्वायर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 24-6-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1978

निर्देश सं० 8041/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एन० सं० 3074/3, वार्ड 12, है तथा जो ब्लाक 44, ईस्ट राजा स्ट्रीट, पुदुकोट्टै में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एन० प्रार-I, पुदुकोट्टै (अकुमेन्ट 1662/77), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिमा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. (1) कमलम्बाल;
- (2) जी० कृष्णन;
- (3) जी० मुरलिदरन;
- (4) राजलक्ष्मी ;
- (5) देवकी;
- (6) सुबन्ना ;
- (7) चित्रा ;

(अन्तरक)

2. श्री अटैक्कन अम्बलम

(अन्तरिती)

को या सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर धूबना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुदुकोट्टै, ईस्ट राजा स्ट्रीट, ब्लाक सं० 44, वार्ड सं० 12, टी० एन० सं० 3074/3, में 5115 स्वचालर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

भन. प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 26-6-78  
मोहर :

ग्रहण धार्मिक टी० एस० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जून 1978

निदेश सं० 8043/अक्टूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुदुकोट्टै, कामराजपुरम, पहला स्ट्रीट, टी०  
एस० सं० 273/107-109 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय पुदुकोट्टै (डाकुमेन्ट 1649/77) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-10-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई निम्न आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यस्तियों अर्थात् :-

1. श्री डी० राजरत्नम

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० जानकी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पुदुकोट्टै, कामराजपुरम, पहला स्ट्रीट, टी० एस० सं०  
273/107-109, (वार्ड सं० 3, ब्लॉक सं० 135) (भूमि  
और मकान)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 24-6-78  
मोहर



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जी० श्रीनिवास पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री आर० तिरुनाउक्कम्म

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

मद्रास, दिनांक 23 जून 1978

निर्देश सं० 8050/अक्तूबर/77—यतः मुझे के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी डोर सं० -5-9, ईस्ट स्ट्रीट, तिरुनागेस्वरम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुविडैमरुदूर  
(डाकुमेन्ट 2013/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 29-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

तिरुनागेस्वरम, ईस्ट स्ट्रीट, डोर सं० XII-5-9 (भूमि  
और मकान)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6-156 GI/78

तारीख : 23-6-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1978

निर्देश सं० 8051/अक्तूबर/77—यतः मुझे के० पोन्नन-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 75 ए, और 76, है तथा जो नागै, रोड, विजयपुरम, तिरुवारूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में तिरुवारूर (डाकुमेन्ट 2075/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० के० आर० एस० दशिनोमूर्ती

(अन्तरक)

2. श्री ए० गोविन्दसामि  
और ए० रामसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के कृपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवारूर, विजयपुरम, नागै, रोड, और सं० 75 ए और 76 में 4746 स्क्वायर फीट (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 870/1 और 871)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 23-6-78

मोहर :

**प्रकरण आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1978

निदेश सं० 8052/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी डोर सं० 61 है जो कबीर वेस्ट स्ट्रीट, कुम्बकोनम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुम्बकोनम  
(डाकुमेन्ट 1739/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की गणना उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० वेंकटेशन और जी० घुरुरंगन

(अन्तरक)

2. श्री सितसुब्रमनियन और नटराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

कुम्बकोनम, दबीर वेस्ट स्ट्रीट, डोर सं० 61 (भूमि और  
मकान)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 26-6-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून, 1978

निदेश सं० 8053/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 14, वेस्ट अय्यन, स्ट्रीट, कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुम्बकोनम (डाकुमेन्ट 1734/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आर० शन्मुगम पिल्लै

(अन्तरक)

2. श्री आर० एस० रवीन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, वेस्ट अय्यन, स्ट्रीट, डोर सं० 14।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 26-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मई 1978

निर्देश सं० ए०सि०-8/आर-II/कल०/78-79—अतः, मुझे,  
आर० सी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 25-डी है तथा जो वेलमेडार रोड, अलिपुर,  
कलकत्ता-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दि० रजिस्ट्रार 24-परगना अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरि नारायण बोस ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार कागेरिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

25-दि, वेलमेडार रोड, अलिपुर, कलकत्ता-27 ।

आर० सी० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 31-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जून 1978

निर्देश सं० ए०सी०-15/एक्यू आर-IV/कल०/78-79—

यतः, मुझे, पि० पि० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6/4 है, तथा जो गोपाल चटर्जी रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 7-10-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजेन्द्र नाथ बसु।

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर कुमार पोद्दार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-  
सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 9 छटाक, 15 स्क्वायर फीट, जमीन  
साथ उस पर बनाया दो तला मकान जो 6/4 गोपाल चटर्जी रोड,  
(7 गोपाल चटर्जी रोड से बनाया), थाना काशीपुर, कलकत्ता  
पर अवस्थित और जो दलिल सं० 4680/1977 का अनुसार  
है।

पि० पि० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV-, कलकत्ता

तारीख: 17-6-78

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अनादि नाथ दास।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

2. आशुतोष दास, सेफली दास, फनोन्द्रनाथ बनर्जी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 17 जून 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० ए०सी०-16/एफ्यू०-आर-IV/कल०/78-79—

अतः मुझे, पि० पि० सिंह

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 104 है, तथा जो कालीचरन घोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-10-77

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

करीब 10 कट्ठा 12 छटाक 33 स्क्वायर फुट जमीन साथ में उस पर बनाया मकान जो 104 कालीचरन घोष रोड थाना : काशीपुर, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० 4935/1977 के अनुसार है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रष्टाचार के लिए;

पि० पि० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-6-78

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

1. श्री भवेश चन्द्र मिश्र,  
11/48, पन्डिलिया रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्रीमती मागी देवी और अन्यान्य,  
34, बिमेकानन्द रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 जून 1978

निर्देश सं० 406/एक्यू०-III/78-79/कल०—अतः, मुझे,

किशोर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 269/1 है, तथा जो नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 8-10-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि/बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

करीब 15 कट्ठा, 2 छटाक, जमीन साथ में डाकुमेन्ट जो  
269/1, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो  
रजिस्ट्रार आफ एग्युरेन्स द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं०  
I-4719/1977 के अनुसार है।किशोर सेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 23-6-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 जून 1978

निर्देश सं० 407/एक्यूरे०III/78-79/कल०—अतः, मुझे,  
किशोर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 129-ए है, तथा जो अरविन्द सरनी, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 18-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—156GI/78

1. श्री तुलसी चरन राय,

ग्राम माकुया, सारङल, हावड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री मन्साराम भट्टाचार्य,

113-ए, अरविन्द सरनी, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

करीब 5-5 कट्ठा जमीन साथ में उस पर बनाया एकतल्ला  
स्ट्राकचर्स जो 129-ए, अरविन्द सरनी, थाना श्याम पुर, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एश्युरेंसेस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० I-4938/1977 के अनुसार है।

किशोर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 27-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 54/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० जो 10-3-5-874 है हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तुबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रायजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अर्थियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री माहादेव श्रीनगेश, सुपुत्र स्वर्गीय एमर वायस मार्शल एम० एम० श्री नगेश,
- (2) श्री अजेक श्रीनगेश,
- (3) जनरल एम० एम० श्रीनगेश,
- (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,
- (5) कुमारी मालती श्री नगेश,
- (6) श्रीमती कमला एस०,
- (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश,
- (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग,
- (9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।
- (10) मैसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार, द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड, नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

1. श्री कैलाश चरन घर नं० 8-2-626/6 रास्ता नं० 1 बन्जारा हिल्स, हैदराबाद में।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 10 जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है, जो हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2978/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-78

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून, 1978

सं० 55/78-79-यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन 3-5-874 में है, जो हैदरगुडा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री माहादेव श्री नगेश सुपुत स्वर्गीय एअर वायस  
मार्शल एम० एस० श्रीनगेश,
- (2) श्री अशोक श्री नगेश,
- (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश,
- (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,
- (5) कुमारी मालती श्रीनगेश,

(6) श्रीमती कमला एस०,

(7) कु० लीला एम० श्रीनगेश,

(8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग,

(9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश,

• यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग,  
नई दिल्ली के निवासी हैं।

- (10) मैसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612, आबीद  
रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा  
जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा रोड, हिल्स  
रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. (1) बी० वरदा रेड्डी,

(2) श्रीमती बी० पदमिनी देवी,

(3) श्रीमती के० शहीलाजा रेड्डी,

(4) श्रीमती मनजुला रेड्डी,

(5) बी० सुभाषचैनदर रेड्डी,

बशीरबाग, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० जिसका म्युनिसिपल  
नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका  
रजिस्ट्रीकरण संख्या 2966/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 56/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० खुली जमीन 3-5-874 में है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रस्तुत, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री माहादेव श्री नगेश सुपुत्र स्वर्गीय एअर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश,
- (2) श्री अशोक श्री नगेश,
- (3) जनरल एम० एम० श्रीनगेश,
- (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,

- (5) कुमारी मालती श्रीनगेश,
- (6) श्रीमती कमला एस०,
- (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश,
- (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग,
- (9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश, यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।
- (10) मैसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरण भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री सुबाशन रेड्डी, पिता बी० आमा रेड्डी वकील, घर नं० 3-5-170/ए, नारायण गुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ण संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट जमीन जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण सं० 2963/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-78

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 57/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4-3-5-874 है जो हैदरगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. (1) श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एश्वर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश,
- (2) श्री अशोक श्री नगेश,
- (3) जनरल एम० एम० श्रीनगेश,
- (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,
- (5) कुमारी मालती श्रीनगेश,

(6) श्रीमती कमला एस०,

(6) कु० सीला एम० श्रीनगेश,

(8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग,

(9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश,

यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग नई दिल्ली के निवासी हैं।

(10) मैसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612/, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार, द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड, नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जे० रेवती पुत्री जे० वेनकटेश्वर रेड्डी—घर नं० 6-3-550/2 पन्जगुटा, हैदराबाद में है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 4 जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2977/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-78

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 58/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 12-ए, 3-5-874 है जो हैदरगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एअर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश,
- (2) श्री अशोक श्रीनगेश,
- (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश,
- (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश,

(5) कुमारी मालती श्रीनगेश,

(6) श्रीमती कमला एस०,

(7) कु० लीला एम० श्रीनगेश,

(8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग,

(9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश,

यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8- 612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद, में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री कीशन कुमार अग्रवाल, 5-4-334, पीजमजाडी रास्ता हैदराबाद में।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो घायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 12-ए, जिसका म्युनिसिपल नं० 3-5-874 है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2961/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

मोहर :

प्ररूप माई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 59/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 11, 12, 3-5-874 है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्सूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एयर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश

2. श्री अशोक श्रीनगेश (3) जगरन एम० एम० श्रीनगेश (4) जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34 वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(10) मेसर्स स्मार्थ कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीड रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2 बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1 हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री गौसीबीन हैमद घर नं० 22-1-948 मुलतामपूरा हैदराबाद में

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 11, 12 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या 2959/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० नं० 60/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9-3-5-874 है जो हैदरगुडा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और [पूर्णरूप से वर्णित है], रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त्रबिक्रि से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एयर बायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अण्णक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(अन्तरक)

(10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2 बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

( ) श्री महावीर परशाद घर नं० 8-2-626/6 रास्ता नं० 1, बन्जारा हिल्स हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 9 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या 2971/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 जून 1978

सं० आर० नं० आर० ए० सी० सं० 61/78-79—यतः मुझे  
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1-3-5-874 में है जो हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किये  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  
8-156GI/78

1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एअर वायस  
मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अशोक श्रीनगेश (3)  
जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश  
(5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस०  
(7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम०  
हरदोग (9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी  
34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(10) मेसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612,  
आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीवार द्वारा  
जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1,  
हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री केसरीमल कारवा और डाक्टर गडलाल कारवा  
होलसेन कपड़े की दुकान करीमनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 1 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-  
874 है जो हैदरागूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रकरण  
संख्या 29970/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 62/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5-3-5-874 में है, जो हैदरगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्थायी एमर बायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अशोक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम हरटोग (9) श्रीमग अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(10) मेसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० वीरारेड्डी घर नं० 1-8-453, धीकडपली हैदराबाद में।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 5 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2969/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 63/78-79—दिनांक यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3-3-5-78 हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एमर बायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अशोक श्रीनगेश (3) जनरल एम० एस० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम०, श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग (8) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं। (अन्तरक)

(10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612, आबीड रोड, हैदराबाद, श्री केलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(1) श्रीमती जी० आहालीया पत्नी श्री वीरारेड्डी घर नं० 19/3 आर० टी० सी० है बी० घर बरकतपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 3 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या 2968/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-6-78

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 64/78-79—यदः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2—घर नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तु :—

1. श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एअर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अण्णक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग (9) श्रीमती अहल्या-बाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34 वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं। (अन्तरक)

(1) श्रीमती मनीरमा पत्नी रमनीकलाल कामदार 1-8-44/3/1 धीकडपली हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुशी जमीन जो प्लॉट नं० 2 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रकरण संख्या 2967/77 जो रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 65/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है, जो 3-5-874 हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री माहादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एअर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश 2. श्री अशोक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम. श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग (9) श्रीमती ग्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश

यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(10) मेसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री केशव चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

(1) श्रीमती पी० वीजया लक्ष्मी रेड्डी पती पी० महेन्दर रेड्डी, घर नं० 5-3-847 मीजमजाई रास्ता हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 8 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्या 2965/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 66/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कनीजमीन है, जो हैदरगुडा 3-5-874 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

(1) श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत स्वर्गीय एअर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अशोक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं। (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612 आबीड रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2 बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

(1) डाक्टर महमूदसुलताना पति डाक्टर महमूद इब्राहीम घर नं० 3-5-855/3 हैदरगुडा हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संवत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जो प्लॉट जमीन जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या 2964/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 67/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15 है, जो हैदरगूडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एमर बायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अशोक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० लीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमती शकुन्तला एम० हरदोग (9) श्रीमती अहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं।

(10) मेसर्स स्मार्ग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीव रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

1. डाक्टर जी० सुलोचना पति डाक्टर जी० रामाकृष्णा रेड्डी घर नं० 3-5-1093/ए-18 बेनकटेश्वर कालोनी हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्युत्पत्ति

खुली जमीन जो प्लॉट नं० 15 जिसका मुनिसिपल नं० 3-5-874 है जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या 2962/77 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1978

सं० 68/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14 है, जो 3-5-874 हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य पे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित देश ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर—

1. श्री महादेव श्रीनगेश सुपुत्र स्वर्गीय एमर वायस मार्शल एम० एम० श्रीनगेश (2) श्री अशोक श्रीनगेश (3) जनरल एस० एम० श्रीनगेश (4) श्री जे० एम० श्रीनगेश (5) कुमारी मालती श्रीनगेश (6) श्रीमती कमला एस० (7) कु० शीला एम० श्रीनगेश (8) श्रीमम शकुन्तला एम० हरटोग (9) श्रीमती ग्रहल्याबाई एम० श्रीनगेश यह सभी 34, वसन्त विहार, वसन्त मार्ग, नई दिल्ली के निवासी हैं। (10) मेसर्स स्मार्ग कनस्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबीद रोड, हैदराबाद, श्री कैलाश चरन भागीदार द्वारा जो घर नं० 8-2-626/2, बन्जारा हिल्स, रोड नं० 1, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

(1) अयर नात अग्रवाल लेनपारमीसी दवासालका दुकान सीदीये मबरबजार हैदराबाद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुशी जमीन जो प्लॉट नं० 24 जिसका मालिकाना नं० 3-5-874 है जो हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या 2960/77 जो रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-1978  
मोहर :



प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 76/78-79—यत० मुझे, के० एस० वेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1-113/ए है, जो क्रास रास्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
13-10-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—156GI/78

(1) श्री आर कीशणा रेड्डी घर नं० 1-1-113 ए०  
चारमीनार रास्ता हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री पी० सोमनाथ पिता पी० महीनदर नाथ घर  
नं० 2-1-527/5 नलाकुन्टा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-1-113/ए चारमीनार क्रास रास्ता घर  
रजिस्ट्री की हस्तावेज नं० 2772/77 उपरजीस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 17-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 77/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 नं० 206 है, जो मेस हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की शायद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर यों अधत्तः—

(1) श्री सयद अलताफ हुसेन (2) सैयद हमद हुसेन नं० 5-1-437 जामबाग हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री राधाराम पीता इश्वरदास 5-8-56/57 नामपली हैदराबाद

(2) सुरेश कुमार पीता इश्वरदास 5-854/57 भूपली हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुलीजमीन नं० 1 सरखे नं० 206 में विस्तृत 400 वर्ग यार्ड एम एल० ये० घर के पास मशीन बाग हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2927/77 जैनित राजीस्ट्री हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 17-6-1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 जून 1978

सं० 80/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11-6-802/1/बी-1—है, जो रेडहिलस हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) ) अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकरूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आयों को जिन्हें भारतीय तब कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) में के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शेरबानु सजनलाल सायब पसी जनाब जलाशीदीन सजनलाल सहेब 11-6-862/1 रेहीसस हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री एस गुलामअहमद सायब 11-4-643 ए सी० गाट हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पडर बाधु पहला सता नं० 11-6-802/1 बी-1 वीसिन 1176 वर्ग कीट रेडहिलस हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2773/77 अन्तरजिस्ट्रार हैदराबाद में

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज हैदराबाद

तारीख : 17-6-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 81/78-79—यतः मुझे, के० एस० वैकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बाग 6-3-580 है, जो कौरवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्षतूर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1 (1) महमद शौकतुला (2) महमद हसमतुला  
(3) अमीना बेगम (4) जायेबाबेगम (5) वहीदा बेगम  
घर नं० 19-2-81 काजापाडी हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री महमद सैयद अदाल 23-2-313 मोमलपुरा  
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दशीन के तरफ घर नं० 6-3-580 कौरवाबाद हैदराबाद में  
विस्तृत 856 वयगाडें रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2454/77  
उपरजिस्ट्री कार्यालय कौरवाबाद।

के० एस० वैकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-6-1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 82/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० सारा 6-3-580 है, जो कैंरताबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकरता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या क्रिया जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महमद शोकानुला (2) महमद हसमतुला  
(3) श्रीमती अमीनाबेगम (4) जैनबबेगम (5) बहीदबेगम  
घर नं० 6-3-580 हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री सैमद अली अदालत 23-3-313 मीगलपुरा  
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊतरा भाग घर नं० 6-3-580 कैंरताबाद हैदराबाद में  
उसका बीस्टन 935 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2455/  
77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय कैंरताबाद में।

के० एस० वेकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 17 जून 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1978

सं० 83/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० 121/ए पार्क लेन है, जो सीकीन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंवा आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हाजी गुलाम अहमद घर नं० 1-7-330 पार्क लेन सिकन्द्राबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री मुराला धीचा श्रीसेलम (2) एम० वलेशर (3) एम० मलेशवर (4) एम० रामेशवर (5) एम० श्रीनिवास नं० 3,4 और 5 छोटे है उनका पिता अधिकारी है घर नं० 1520 नाका बाजार सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करत हूँ कि मन्त्रि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) या सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर अर्जित व्यक्तिता में पकिसा व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर का भाग नं० 121/ए (नं० 1-7-329-330, 331, 332, 336, 337) पार्क लेन सिकन्द्राबाद वीस्टेन 565 बर्ग यार्ड दस्तसेज नं० 1687/71 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में

के० एस० वेकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17 जून 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 30 जून, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—  
III /अक्टूबर-II (3)/170/77-78/15-19—अतः मुझे,  
जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-494 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री रामेश कुमार मुखर्जी, सुपुत्र श्री सत्या नन्द मुखर्जी,  
निवासी ई-494, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार तथा राकेश कुमार, सुपुत्र श्री एच०  
आर० नन्दा, निवासी जे०-27, एन० डी० एस० ई०  
पार्ट-1, नई दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध,  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान जो कि 550 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट  
के ऊपर बना हुआ है, जिसका नं० ई-494 है, ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: प्लॉट नं० 492

पश्चिम: प्लॉट नं० ई-496

उत्तर: रोड़

दक्षिण: रोड़

जे० एस० गिल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 30 जून-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जून 1978

निदेश नं० अमृतसर/19/78-79—यतः, मुझे, एच०  
एस० धुरिया आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकानें हैं, तथा जो फरीद दा चौक गली अरोरिया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थी :—

(1) श्री राजिन्दर प्रकाश पुत्र श्री देवी प्रसाद रजदन एवं श्री एस० पी० रजदन, स्वयं एवं वसीयत मुख्तार खास भिन जानब श्री बलदेव प्रसाद रजदन।

(अन्तरक)

(2) श्री बचन लाल पुत्र श्री पालाराम कटरा धनिया हवेली सरकार अरर सिंह अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पांच दुकानें, फरीद दा चौक, गली अरोरिया अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2369 अक्तूबर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एच० एस० धुरिया

आई० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-6-1978

मोहर :



## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

The 26th June 1978

New Delhi-110011, the 12th June 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. II.—In partial modification of the Union Public Service Commission Notification No. A. 12019/1/75-Admn. II dated 5th June, 1978, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) and officiating as Assistant Controller (D.P.) on an *ad hoc* basis, to officiate on an *ad hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 12th June, 1978 to 11th September, 1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Dy. Secy.

for Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th June 1978

No. A. 32011/1/77-Admn. I.—The President has been pleased to allow Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 31-5-78 on purely temporary and *ad hoc* basis *vide* orders of even number dated the 13-3-78, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 1-6-78 to 31-8-78 or until further orders, whichever is earlier.

The 12th June 1978

No. A. 32014/1/78-Admn. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 11-5-78, the President is pleased to appoint Shri R. K. Jasuja, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 18-6-78 to 15-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 11-5-73, the President is pleased to appoint Shri S. N. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 18-6-78 to 7-7-78 or until further orders whichever is earlier.

No. A. 32014/1/78-Admn. III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 11-5-78, the President is pleased to appoint Shri Jai Narain, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 17-6-78 to 7-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Dy. Secy.

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th June 1978

No. 38 RCT. 7.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri N. L. Lakhanpal, I.A.S., as Deputy Secretary (Training) in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th June, 1978, until further orders.

The 20th June 1978

No. 67 RCT 22.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. D. Sood, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 7th June, 1978, until further orders.

10—156GI/78

No. 76 RCT 38.—Shri S. L. Garg, a permanent Personal Assistant of the Central Vigilance Commission, who was appointed to officiate as Senior P.A. *vide* Commission's Notification No. 1/6/76-Admn., dated 25-8-76 reverted as Personal Assistant with effect from the afternoon of 15th April, 1978.

SHRI NIVAS

Under Secretary  
for C.V.C.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 21st June 1978

No. M-82/67-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Mathur, Technical Officer, Central Bureau of Investigation to officiate as Technical Adviser (Accounts & Income Tax), Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 9th June, 1978 and until further orders.

The 23rd June 1978

No. K-9/71-AD. V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri K. N. Sharma, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Senior Public Prosecutor with effect from forenoon of 19-5-1978 in the leave vacancy of Shri K. Shouriah, Sr. Public Prosecutor for a period of 45 days from 19-5-1978 to 2-7-1978.

The 26th June 1978

No. A-19021/8/78-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Kain, I.P.S. (1970-U.T.) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the forenoon of 12-6-78 on deputation basis and until further orders.

K. K. PURI

Deputy Director (Admn.)

C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 22nd June 1978

No. O. II-985/74-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. P. Nagendra Rao, JMO (GDO, Grade II) 1st Bn. CRPF with effect from the afternoon of 12th May, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY

Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 22nd June 1978

No. E-16014(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation from BSF, Shri M. S. Rana assumed the charge of the post of Commandant, CISF Trg. Reserve No. 1/2, with Hqrs. at New Delhi with effect from the fore-noon of 21st June, 1978.

R. C. GOPAL

Inspector-General

## MINISTRY OF FINANCE

## DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

## BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 1st June 1978

F. No. BNP/C/5/78.—Shri A. S. Vhatkar, a permanent Junior Supervisor (Numerota) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30

—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40—  
1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978,  
for a period of 3 months or till the post is filled on a regular  
basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive  
right on the appointee for continuing in the post or being  
appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment  
can be discontinued at any time without assigning any reason.

The 18th June 1978

F. No. BNP/C/5/78.—Shri M. Laxminarayana, a per-  
manent Inspector Control is appointed to officiate on *ad-hoc*  
basis as Deputy Control Officer in the scale of pay  
Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—  
EB —40—1200, in the Bank Note Press, Dewas for a period  
of 3 months with effect from 9-6-78 or till regular appoint-  
ment is made to this post whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM  
General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
KARNATAKA

Bangalore, the 9th June 1978

No. ESI/A4/78-79/169.—The Accountant General is pleas-  
ed to promote the following permanent/officiating Section  
Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary  
capacity until further orders, without prejudice to the claims  
of their seniors, if any, with effect from the date of their  
taking charge.

S/Shri

1. R. Ponnuswamy
2. K. V. Subba Rao.

M. A. SOUNDARARAJAN  
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
BIHAR

(LOCAL AUDIT WING)

Ranchi, the 22nd June 1978

No. LA-Admn-I Estt-I-1591.—The Accountant General (I)  
Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Kaushal  
Kishore Prasad, a substantive Section Officer (Audit) of  
Local Accounts, Bihar with effect from 19th June 1978 (after  
noon) until further orders.

B. L. BOTPAI  
Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-1  
WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 23rd June 1978

No. Admn.I/1083-XV/1086.—The accountant General-I,  
West Bengal has been pleased to appoint the following perma-  
nent Section Officers to officiate as Accounts Officers in tem-  
porary and officiating capacity with effect from the date as  
mentioned against each or with effect from the date/dates on  
which they actually take over charge thereafter as Accounts  
Officers in this office/office of the A. G., Central until further  
orders.

S/Shri

1. Ranjit Rumar Laskar . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
2. Nalini Rajan Roy . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
3. Bibhuti Bhusan Aich . . . with effect from 17-6-78  
(FN)

S/Shri

4. Gourdas Saha . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
5. Samir Sen Roy Chowdhury . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
6. Biswambhar Nath . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
7. B.G. Roy . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
8. S. N. Choudhury . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
9. R. C. Haldar . . . with effect from 17-6-78  
(FN)
10. Amal Krishna Roy . . . with effect from 17-6-78  
FN

The inter-se-seniority of the Accounts Officers will be indi-  
cated in due course

P. K. Bandyopadhyay,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,  
WESTERN RAILWAY

Bombay, the 23rd June 1978

No. SA/HQ/Admn/PC/1874.—On permanent absorption  
of Shri J. K. Dass, Audit Officer of this office, in the Central  
Council for Research in Indian Medicine and Homoeopathy,  
New Delhi on 24th December 1976 (A.N.), he is deemed to  
have retired from Government service with effect from the  
said date.

A. N. BISWAS  
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 23rd June 1978

No. 68012-A (4)/77-AN-II.—The President is pleased to  
appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate  
in the junior time scale of the regular cadre of the Indian Defence  
Accounts Service with effect from the dates shown against  
them, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date from which pro- moted
1.	Shri V. P. Jain . . .	29-5-1978 (Forenoon)
2.	Shri M. H. Subramanian . . .	27-5-1978 (Forenoon)

No. 86016(15)/77-AN-II.—The President is pleased to  
appoint Shri A. R. Halasyam, an officer of the Indian  
Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Adminis-  
trative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000/-) of that  
Service with effect from the forenoon of the 19th June, 1978,  
until further orders.

V. S. BHIR  
Additional Controller General Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

Calcutta, the 13th June 1978]

No. 13/78/A/E-I.—The DGOF is pleased to promote  
the following permanent Assistants to the grade of Assistant  
Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity without  
effect on seniority from the dates shown against each until  
further orders :—

1. Shri Sukumar Das Gupta . . . 1-5-78
2. Shri Kanai Lal Das . . . 1-5-78
3. Shri Panna Lal Das . . . 1-5-78

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/Admn. II,  
For Director General, Ordnance Factories.

## MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 19th June 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/439/56-Admn(G)/4358.—The President is pleased to appoint Shri Takhat Ram, an officer officiating in the Selection Grade of the CSS and Deputy Chief Controller of Imports and Exports as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office in an officiating capacity for a period of 3 months w.e.f. the forenoon of the 1st May, 1978.

K. V. SESHADRI

Chief Controller of Imports &amp; Exports

## ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 1st July 1978

No. 14/7/78-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, B. K. Thapar, Additional Director General, hereby direct that no fee shall be charged for entry into Tajmahal, Agra on the following days on account of celebrations of annual 'URS' of Emperor Shahjahan :—

- (1) 2-7-78 from 4.00 P.M. to 1.00 A.M.
- (2) 3-7-78 from 2.00 P.M. to 4.00 A.M.
- (3) 4-7-78 from 6.00 A.M. to 4.00 A.M.

B. K. THAPAR,  
Additional Director GeneralMINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 13th June 1978

No. A. 12026/11/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri B. C. Mandal, a permanent Production Assistant to officiate as Artist on *ad hoc* basis in this Division *vice* Shri J. N. Adalja, Artist granted leave for the period from 31-5-78 to 15-7-78.

This *ad hoc* appointment shall not bestow on Shri Mandal a claim for regular appointment in the grade of Artist. This service will also not count for purposes of seniority in that grade.

INDRAJ SINGH  
Deputy Director (Admn.)  
*for* Director

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd June 1978

No. A. 38012/1/78-SI.—On attaining the age of superannuation Shri K. Gangayya, Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Govt. Medical Stores Depot Madras, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st May 1978.

No. A. 38013/2/78-SI.—On attaining the age of superannuation S/Shri P. G. Srinivasalu and M. Munuswamy Assistant Depot Managers (Group B-Gazetted) Govt. Medical Stores Depot Madras, retired from Govt. service on the afternoon of 31st May, 1978.

SANGAT SINGH  
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 23rd June 1978

No. A. 12023/1/77(BCG)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. Ramasubramani to the post of Administrative Officer at the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, with effect from the forenoon of the 9th June, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

No. A. 31014/7/77(AIIPMR)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. N. A. Kelkar in a substantive capacity in the post of Chief, Medical Social Work Department, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay, with effect from the 10th August, 1976.

The 26th June 1978

No. A. 12025/47/76(BCG)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. Shameem Ahmed to the post of Refrigeration Engineer at the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, with effect from the forenoon of the 3rd June, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

No. A. 32014/1/78(CRI)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. C. Shandilya in the post of Stores Officer, Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 1st April, 1978 in a temporary capacity.

S. L. KUTHIALA  
Deputy Director Administration (O&M)

## MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

## DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 22nd June 1978

No. A.19023/52/76-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri H. P. Singh, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Nagpur with effect from 27.5.1978 (forenoon), until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Singh relinquished the charge of Assistant Marketing Officer at Nagpur with effect from the forenoon of 27-5-1978.

V. P. CHAWLA,  
Director of Administration,  
*for* Agricultural Marketing Adviser

## DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 21st June 1978

No. 3-4/78-Estt(Spl).—General Manager, Delhi Milk Scheme is pleased to appoint Shri R. K. Jain, an Audit Officer (Commercial) of the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh as Internal Audit Officer in the pay Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in Delhi Milk Scheme on deputation with effect from 1.6.1978 (FN) until further orders.

O. P. GIROTRA,  
Deputy General Manager (Admn.).DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

The 12th June 1978

No. PPED/3 (236) /78-Adm./6652.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officers/Engineers-Grade 'SB' in the same Division in a

temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

Sl. No.	Name	Present Grade	Permanent post held, if any
1. Shri U. S. Shaikh		D/man 'C'	Draughtsman 'B'
2. Shri T. P. Paily		Scientific Asstt. 'C'	Scientific Asstt. 'B'
3. Shri S. N. Nandurkar		Draughtsman 'C' (Q. P.)	—
4. Shri S. V. Bulakh		Draughtsman 'C' (Q. P.)	—
5. Shri Thomas George		Scientific Asstt. 'C'	—
6. Sri P. Guru Raj		Foreman	Asstt. Foreman

The 12th June 1978

No. PPED/3(283)/76-Adm./7086.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 29, 1978 to the afternoon of June 30, 1978 vice Shri V. R. Kulkarni, Asstt. Accounts Officer proceeded on leave.

The 16th June 1978

No. PPED/3(288)/76-Adm./7298.—On his transfer from Bhabha Atomic Research Centre, Shri A. P. Anand, Scientific Officer/Engineer, Grade 'SB' is hereby appointed in the Power Projects Engineering Division at Bombay in the same capacity with effect from forenoon of June 5, 1978 until further orders.

B. V. THATTE,  
Administrative Officer

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 21st June 1978

No. DPS/23/8/77-Est./16181.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Abdul Aziz Shaikh, Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer-II, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 27.4.78 to 3.6.78 (AN), vice Shri. G. L. Haldirpur, Accounts Officer-II, KRAU granted leave.

B. G. KULKARNI,  
Assistant Personnel Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur, the 17th June 1978

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri V. K. P. Pillai, a permanent Personal Assistant, Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of May 1, 1978.

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. K. P. Pillai, a permanent Personal Assistant and presently officiating as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis, as Assistant Personnel Officer in the Tarapur Atomic Power Station against regular vacancy with effect from June 10, 1978 (AN), until further orders.

The 19th June 1978

No. TAPS/2/1298/77.—Consequent on his transfer to Atomic Power Authority, Bombay vide DAE Office Order No. 20/5(1)/75-CCS dated May 26, 1978, Shri G. A. Kaulgud, a permanent Assistant in BARC and officiating Assistant Personnel Officer in Tarapur Atomic Power Station has been relieved of his duties in TAPS with effect from 10.6.1978 (Afternoon).

A. D. DESAI,  
Chief Administrative Officer.

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 23rd June 1978

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Suresh Kumar Sinha, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of March 1, 1978 to May 31, 1978 (Afternoon).

The resignation of Shri S. K. Sinha has been accepted with effect from May 31, 1978 afternoon.

The 24th June 1978

No. AMD-1/30/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. R. Bandyopadhyay as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27 May, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN,  
Sr. Administrative & Accounts Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 16th June 1978

No. 10/5 (33)/77-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint the undermentioned officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 1, 1978 and until further orders.

Sl. No.	Name	Post held at present
1. Shri S. G. Adikesavan		Technical Assistant 'C'
2. Shri K. Venkateswarlu		Technical Assistant 'C'

P. I. U. NAMBIAR,  
Administrative Officer-II  
For Chief Engineer

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd June 1978

No. A-320/13/16/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Kumaraswamy, Assistant Communication Officer, Civil Aviation Department (HQ) to the grade of Communication Officer on regular basis with effect from 2-6-78 (F N) until further orders and to post him at the same station.

No. A 320/13/16/76-EC.—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri I. R. Menon, Assistant Communication Officer at present officiating as Deputy Director, Information & Regulation in the Civil Aviation Department (H Q) to the grade of Communication Officer on regular basis with effect from 2-6-78 (F N) until further orders.

The 24th June 1978

No. A. 31011/3/77-EC—The President is pleased to appoint the following seven officers in the substantive capacity in the grade of Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 1st March, 1978.

S. No.	Name	Station of Posting
1.	Shri M. S. Krishnan, Dy. Director	D. G. C. A. (H Q)
2.	Shri S. K. Das, Regional Controller of Communication.	Calcutta Airport, Calcutta-52.
3.	Shri A. N. Nath, Controller of Communication.	A. C. S. Madras, Madras Airport.
4.	Shri B. S. Grewal, Controller of Communication.	ACS, Calcutta Airport, Calcutta.
5.	Shri B. R. Chaturvedi, Asstt. Director of Communication.	D. G. C. A. (H Q)
6.	Shri J. K. Bhattacharya, Asstt. Director of Communication.	D. G. C. A. (H Q)
7.	Shri P. S. Dhunta, Asstt Director of Communication.	D. G. C. A. (H Q)

S. D. Sharma  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 22nd June 1978

No. A/32013/5/77-EA—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Deptt., in an officiating capacity, with effect from the date noted against their names and until further orders :—

S. No.	Name	Date	Station of posting
1.	Shri H. W. Ambler	16-5-78	Civil Aviation Training Centre, Barrabauli (Allahabad).
2.	Shri Kripa Shanker	12-6-78	Safdarjang Airport, New Delhi.

V. V. JOHRI,  
Asstt. Director of Administration

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE &amp; CUSTOMS

Kanpur, the 27th June 1978

No. 21/78.—Shri B. R. Nanda, Officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur handed over the charge of Superintendent (Audit) in the afternoon of 28.2.78 to Shri I. M. K. Sheopuri, Superintendent and retired from Government Service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 28.2.78.

K. PRAKASH ANAND,  
Collector

Madras, the 13th June 1978

## CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 3/78.—Shri M. V. Jayanarayanan Nair, an U.P.S.C. candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (non-expert) in this Custom House with effect from 2-6-78 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

The 14th June 1978

No. 2/78.—Shri T. Jayaraman an U.P.S.C. candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (non-expert) in this Custom House with effect from 19-5-78 fore-noon in a tem-

porary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

M. G. VAIDYA,  
Collector of Customs.  
Madras

Nagpur, the 20th June 1978

No. 7/78.—Shri K. E. Sanjana, lately posted as Superintendent (Preventive), Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur, having attained the age of superannuation, has retired from Government service in the forenoon of Sunday the 30th April 1978.

M. R. PAROOLAKER,  
Collector.

Patna, the 21st June 1978

C. No. II(7)2-ET/78/6299—In pursuance of this office Estt. order no. 77/78 dated 28-2-78, as modified order Estt. order No. 107/78 dated 7-4-78, the following Inspectors on promotion to officiate as Superintendent Central Excise/Customs group 'B' have assumed charges as Superintendent Central Excise/Customs, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, at the places and with effect from the dates and hours as indicated against each :—

Name of officers	Place of posting	Date of assumption of charge
1. Sri Tufil Ahmed	Superintendent, Central Excise Forbesgan range.	21-3-78 (F. N.)
2. Sri K. M. Mullick	Superintendent (Delimitation) Central Excise, Hqrs. Office Patna.	2-5-78 (F. N.)

C. No. II(7)2-ET/78/6300.—In pursuance of this office Estt. order No. 75/78 dated 27.2.78, Sri S.M.Z. Quli, Inspector of Central Excise & Customs on promotion to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs Group 'B' has assumed charge as Superintendent Central Excise Sindri Range in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, in the forenoon on 9-3-78.

A. M. SINHA,  
Collector,

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 23rd June 1978

No. A-19012/719/78-Adm.V—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri R. A. Oak, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 2nd June, 1978 upto 31-10-1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA,  
Under Secy.,  
Central Water Commission.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 21st June 1978

No. 27-E/S(56)/69-EC.II.—Shri M. B. Shivdasani, Executive Engineer (Civil), Bombay Aviation Division No. II, Central Public Works Department, Bombay, expired on 23rd April, 1978.

H. S. CHAWLA,  
Section Officer,  
for Director-General (Works)

New Delhi, the 5th May 1978

No. 33/7/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Mahajan a nominee of the UPSC against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on the pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of period of probation of two years. For the present he will draw Rs. 700/- p.m. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 28.4.78 FN on the usual terms and conditions.

2. Shri V. S. Mahajan is placed on probation for period of period of two years with effect from 28.4.78.

The 15th May 1978

No. 1/140/69-ECIX.—The President is pleased to accept the notice dated 25-8-76 given by Shri G.S.R. Jala, Permanent Architect, CPWD, to retire from service. Accordingly Shri G.S.R. Jala stands retired from service with effect from 23.11.76 (AN).

The 23rd June 1978

No. 1/91/69-ECIX.—In pursuance of the order issued by the Ministry of Works & Housing vide I.D.No 117/US(EW) Conf/78 dated 6-6-78, Shri T. S. Gill, Senior Architect CPWD, New Delhi retired from Government Service under F.R. 56(J) with effect from 8.6.78 (AN), in public interest.

KRISHNA KANT,  
Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Omna Finance & Chit Fund (P) Limited*

Jullundur, the 21st June 1978

No. G/Stat./560/2976/2877.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Omna Finance & Chit Fund (P) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Navdeep Chit Fund & Finance Company  
Private Limited. (In Liqn.)*

Jullundur the 21st June 1978

No. G/Stat./Liqn/560/2707/2880.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Navdeep Chit Fund & Finance Company Private Limited (In Liqn.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Gurmeet Constructions Private Limited.*

Jullundur the 21st June 1978

No. G/Stat/3229/2885.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Gurmeet Constructions Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Dentozone Cosmetics Private Limited*

Jullundur, the 21st June 1978

No. G/Stat/560/3280/2883.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dentozone Cosmetics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Dixit Textile Mills Ltd.*

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 557/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dixit Textile Mills Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Celtas India Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 1774/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Celtas India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Janatha Janardhan Seva Finance and Trading  
Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 2357/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Janatha Janardhan Seva Finance and Trading Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Telecommunication & Electronics Private Ltd.*

Bangalore, the 22nd June 1978

No. 2417/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Telecommunication & Electronics Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Mac-Sing Electrical Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 23rd June 1978

No. 2165/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mac-Sing Electrical Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Meenakshi Mysore Mills Ltd*

Bangalore, the 23rd June 1978

No. 1506/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Meenakshi Mysore Mills Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Jagadev Business Corporation Private Ltd.*

Bangalore, the 26th June 1978

No. 980/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jagadev Business Corporation Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Mysore Packaging Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 26th June 1978

No. 2086/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Packaging Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Mysore Silicates and Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 26th June 1978

No. 2091/560/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mysore Silicates and Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Industrial Furnace Equipment Private Ltd.*

Bangalore, the 26th June 1978

No. 2939/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Industrial Furnace Equipment Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA,  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Utkal Chalachitra Pratisthan Private Limited*

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O/351-1094(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Utkal Chalachitra Pratisthan Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Impearl Engineering & Chemicals Private  
Limited*

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O/495-1093(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Impearl Engineering & Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Orissa Publications Private Limited*

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O./504/1096(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Orissa Publications Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Orissa Minerals & Chemicals Limited*

Cuttack, the 23rd June 1978

No. S.O/643-1095(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Orissa Minerals & Chemicals Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL,  
Registrar of Companies, Orissa.

## FORM ITNS

(1) S/Shri Suresh Chand Nagar s/o Chandra Shekhar Nagar R/o Purwa Mahavir Ahata Gangaram Kesarganj, Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Rani w/o Mahesh Kumar R/o 285, Thapar Nagar, Meerut City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th May 1978

Ref. No. Acq/1427-A/Meerut/77-78/58.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 27-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storeyed shop No. 161, situated at Kesarganj Mandi, Meerut, Transferred for an Apparent consideration of Rs. 61,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 11-5-1978  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Krishan Lal S/o Mulkh Raj

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Triloki Nath Sahni S/o H. C. Sahni.

(Transferee)

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 8th June 1978

Ref. No. T-18/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of No. WB-7/283-A situated at Bazaria Sandal Khan, Englishganj, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 29-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house situate at Bazaria Sandal Khan, Englishganj, Bareilly measuring area 374.40 Sqm and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 4773 and Sale Deed duly registered on 29-10-77 at the office of the Sub Registrar, Bareilly.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11—156G1/78

Dated : 8-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Shukla Suri w/o Shri Sudershan Kumar Suri and Mrs. Uma Suri w/o Shri Raj Kumar Suri r/o 37E/10, East Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Mukta Lakshman Gopalani w/o Shri Lakshman Gopalani r/o E-225, Greater Kailash-I, New Delhi-48.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 23rd June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/Oct.II(32)/180/77-78/1375.—

Whereas, I, J. S. GILL,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. W-167, situated at Greater, Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. W-167, Block No. 'W' measuring  
400 sq. yds. in the residential colony known as Greater  
Kailash-II, New Delhi within the limits of Delhi Municipal  
Corporation and bounded as under :—

East : Road  
West : Service Lane  
North : Plot No. W-165  
South : Plot No. W-167A

J. S. GILL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated : 23-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Anilkumar Mohanlal Bunki; Sagarampura,  
Zunda Sheri, Surat.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrakant Somabhai Sorathia; Zunda Sheri,  
Sagarampura, Surat.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th May 1978

Ref. No. P. R. No. 579 Acq. 23-1051/19-7/78-79.—  
Whereas, I, D. C. Goel,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Ward No. 2, Nondh No. 1690 situated at Zunda Sheri,  
Sagarampura, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat in October 1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee to  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 2, Nondh No. 1690,  
situated at Sagarampura, Zunda Sheri, admeasuring 137 sq.  
yds. as described in the sale-deed registered under registration  
No. 1557 in the month of October, 1977 by the registering  
Officer, Surat.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-5-1978

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th May, 1978

Ref. No. P. R. No. 580 Acq. 23-1052/19-7/77-78.—  
Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No 13, Nondh No. 755 situated at Diwali Baug, Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ganeshbhai Haridas alias Haribhai Patel, Sadhna Society, Varacha Road, Surat. (Transferor)

(2) 1. Shri Sevantilal Premchand Shah; 2. Smt. Rasilben Sevantilal Shah; 7, Ayambli Bhavan, Behind Middle School, Gopipura, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 755 of Ward No. 13, situated at Diwali Baug, Athwa, Surat admeasuring 337.8 sq. yds. registered under registration No. 1889 in the month of October, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL.

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-308 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th May 1978

Ref. No. P.R. No. 581 Acq. 23-1053/19-7/77-78.—  
Whereas, I, D. C. Goel,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereunder referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 12, Nondh No. 90 situated at Rani Talav, Main Road, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Surat on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Vasantlal Ratanlal Parekh;  
36, Darabsha Road, Bombay.
2. Shri Indravadan Hiralal;
3. Shri Arvind Hiralal Parekh;
4. Shri Ramanbhai Ratanlal Parekh;
5. Shri Suresh Ratanlal Parekh;  
P.A. Holders : of 2 to 5.  
Shri Vasantlal Ratanlal Parekh;  
36, Darabsha Road, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Kalidas Chhotalal Gajjar;  
10/3072, Kanskivad, Rani Talav, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 12, Nondh No. 90 paiki situated at Rani Talav, Main Road, Surat admeasuring 85 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 2854 in the month of October, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 6th May 1978

Ref. No. P. R. No. 582, Acq. 23-1054/19-7/77-78.—  
Whereas, I, D. C. Goel,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 12, Nondh No. 90 situated at Rani Talav, Main Road, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vasantlal Ratanlal Parekh;  
36, Darabsha Road, Bombay.  
2. Shri Indravadan Hiralal Parekh;  
3. Shri Arvind Hiralal Parekh.  
4. Shri Rameshbhai Ratanlal Parekh;  
5. Shri Suresh Ratanlal Parekh P.A, Holder of  
2 to 5 Shri Vasantlal Ratanlal Parekh 36, Darabsha Road, Bombay.  
(Transferor)
- (2) Shri Surendra Chhotalal Gajjar; 12/3802, Rani Talav, Kansakiwad, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and buliding bearing Ward No. 12, Nondh No. 90 paiki situated at Rani Talav, Main Road, Surat as described in the sale deed, registered under registration No. 2855 in the month of October, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6th May 1978  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th May 1978

(1) Shri Sharadchandra Vinayakrao Mongde; Raopura, Kharivav Road, Bhalariaono Khancho, Baroda.

(Transferor)

(2) Dr. Arvind Chandulal Shah; 1, Gaurav, Pani Gate, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P. R. No. 584 Acq. 23-996/6-1/77-78,—

Whereas, I, D. C. Goel

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 99/1 and 144-A Vibhag B Tika No. 12/2 situated at Babajipura Ward No. 7, Kharivav, Raopura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land and building bearing C.S. No. 99/1 and 144-A (Paiki) Vibhag B Tika No. 12/2, Babajipura, Ward No. 7, situated at Kharivav Road, Raopura Baroda admeasuring 2731 sq. ft., as described in the sale-deed registered by the registering Officer, Baroda at No 2663 in the month of October, 1977.

D. C. GOEL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 29th June 1978

Ref. No. P. R. No. 591 Acq. 23-432/19-8/77-78.—  
Whereas, I, D. C. Goel

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 10, Nondh No. 968-987 situated at Amliran, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Analyamati Wd/o Narendra Chhaganlal Balsari; 10th Road, Khar, Bombay.  
2. Rushabh Narendra Balsari, Satan Falia, Surat  
3. Siddharth Narendra Balsari, Khar, Bombay.  
(Transferor)(2) 1. Shri Thakordas Chhaganlal Jariwala;  
2. Shri Kanchanlal Chhaganlal Jariwala;  
Both at Amliran, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 968-987 of Ward No. 10, at Amliran, Surat admeasuring 136+ 97= 233 sq. yds. as described in the sale deed registered vide registration No 2812 in the month of October, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 29-6-1978

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Govind Sharan Joshi, D-18, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./409.—Whereas, I, M. P. Vaisishtha

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-17 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 21-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—156GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated on Plot No. D-17 Meera Marg Bani Park, Jaipur, fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur v.de 2121 dated 21-11-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.Date : 14-6-78  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/410.—Whereas, I, M. P. Vasishtha being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sooria Niwas situated at Jalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalore on 15-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Surajai Modi s/o Shri Bhaktwarsj Modi Oswal resident of Jalore at present at Ghoron ka chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Baboolal s/o Bastichand c/o Bastimal Parekh Advocate Jalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house property known as Soorja Niwas situated at Kankaria Vass Jalore more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jalore vide No. 980 dated 15-10-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated 14-6-78  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./411.—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sooria Niwas situated at Jalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalore on 28-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surasi Modi s/o Shri Bhaktwarsi Modi Oswal resident of Jalore at present at Ghoron ka Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Bhikamchand s/o Bastichand c/o Shri Hasti Mal Parekh, Advocate, Jalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house property known as Sooria Niwas situated at Kankaria Vass Jalore more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jalore vide No 100 dated 28-11-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated 14-6-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/412.—Whereas, I, M. P. Vasishtha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 27 situated at Bikaner (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 5-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Asharam s/o Raghunath dass Agarwal self and also GPA of Svs Raghunathdass, Sunderlal and Rawatmal of Bikaner at present at E-Upnala, Sahi lag, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Madhusudan s/o Moolchand Agarwal, Bachhavat Mohalla, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house No. 27, Ward No. 17 Bikaner more fully described in the conveyance deed registered by S.R. vide No. 43 dated 5-10-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/413.—Whereas, I, M. P. Vasishtha

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27 situated at Bikaner

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 5-10-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Asha Ram s/o Raghunath Dass Agarwal self and also GPA of Svs Raghunathdass Senderlal and Rawatmal, of Bikaner at present at E-Upnala, Sahai Bag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Shivkishan s/o Moolchand Agarwal, Bachhavat Mohalla, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Part of house No. 27 Ward No. 17 Bikaner more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Bikaner vide No. 42 dated 5-10-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./414.—Whereas, I, M. P. Vasishtha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 62 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 3-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Anandkumari widow of late Shri Khumansingh Ranawat, Vill. Kakarwa Teh. Kapasan, Dist. Chittorgarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Rajkumari w/o Shri Swroopsingh Deora, resident of No. 62 Sardarpura, Udaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7400 sq. ft. land situated at Sardarpura, Udaipur more fully described in conveyance deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1757.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Anandkumari widow of late Shri Khumansingh Ranawat vill. Kakawarva Teh. Kapasan, Distt. Chittorgarh.

(Transferor)

(2) Shri Nathulal s/o Moddilal Mali, Panchayat Bawara No. 4 Hatipole, Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/415.—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 225 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Udaipur on 3-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6791 Sq. ft. land situated at Sardarpura, Udaipur more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Udaipur vide No. 1756 dated 3-10-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./416.—Whereas, I, M. P. Vasishtha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27598 sq. ft. situated at Udaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 3-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Anandkumari widow of late Shri Khumansingh Ranawat, Vill. Kakarwa Teh. Kapasan, Dist. Chittorgarh,

(Transferor)

(2) Shri Narainlal s/o Hariramji Mali, Krishanapura No. 25 Udaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land at Sardarpura Udaipur (27598 sq. ft) more fully described in conveyance deed registered by S. R. Udaipur vide No. 1755 dated 3-10-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 14-6-78

Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/417.—Whereas, I. M. P. Vasishtha being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 615 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

13—156GI/78

(1) Shri Chhaganraj s/o Shri Meghraj Oswak Plot No. 713(C) 8th Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kapoorchand SPO Shri Meghraj Plot No. 615 11th Road, Sardarpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at plot No. 615, 11th Road, Sardarpura, Jodhpur, more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jodhpur vide No. 1/67A dated 15-11-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 14-6-78

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kapoorchand s/o Shri Meghraj Oswal, Plot No. 615 11th Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhaganraj s/o Shri Meghraj Oswal Plot No. 713(C) Sardarpura 8th Road, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/418.—Whereas, I, M. P. Vasishtha,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 713 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-11-77.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at plot No. 713(C), 8th Road Sardarpura, Jodhpur, more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jodhpur vide No. 1767A dated 15-11-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 14-6-78  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mani Dubash  
"Jayaprakash"  
Fingerpost, Ootacamund.

(Transferor)

(2) Shri G. J. Mistri  
"Jayaprakash"  
Fingerpost  
Ootacamund.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4481/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. Nos. 3749 and 3750, situated at "Bidford", Ooty—Mysore Road, Ootacamund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ootacamund (Doc. No. 1150/77) on October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.53 Acres (with building) and bearing R.S. No. 3749 and 3750 situated at Ooty—Mysore Road, Ootacamund.

(Old Name : Bidford) (New Name : Jayaprakash).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4501/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 27/10, situated at East Bashyakarulu Road; R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 2213/77) on 25-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ponnammal alias Pappathiammal  
Jamin Puravipalayam  
Pollachi Taluk.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Balu  
S/o Shri M. K. N. Ramaswami  
No. 27/10 East Bashyakarulu Road,  
R. S. Puram, Coimbatore 641 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 7518 Sq. ft. (1732=386) (with building) situated at Door No. 27/10 (New T.S. No. 8/985/1A Part; 985/1-C) (Site No. 1) East Bashyakarulu Road, R. S. Puram, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4502/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New T.S. No. 4/58, situated at Vysial Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2231/77) on 26-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nacharammal  
W/o Shri Kulandaivel Pillai  
Rayapuram Extension, Tirupur.

(Transferor)

(2) Shri N. Guruswami Achari,  
No. 33/302 Vysial Street,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2393 Sq. ft. (with building) and bearing New T.S. No. 4/58, Vysial Street, Coimbatore.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-6-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd June 1978

Ref. No. 4510/Oct/77.—Whereas, I. K. PONNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 86A3, 86A4, 86A5 and 86A6 situated at Hanumanthapuram Agraharam, Dharapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Dharapuram (Doc. No. 2233/77) on 24-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. Sama Rao,  
No. 34, Hanumanthapuram, Dharapuram.

(Transferor)

- (2) Shri T. Rathnasabapathy,  
86A4 Hanumanthapuram, Dharapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 86A3, 86A4, 86A5 86A6 (Ward No. 2) Hanumanthapuram Agraharam, Dharapuram.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madrass-6, the 24th June 1978

Ref. No. 5875/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, First Main Road, situated at Kasturbai Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Saidapet Madras (Doc. No. 686/77) on 1-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Subhadra Menon @ Rukmani Ammal  
No. 8, First Main Road, Gandhinagar,  
Madras-20.

(Transferor)

(2) Smt. Lalitha Krishnamoorthy  
W/o Dr. Krishnamoorthy  
No. 41 Kamaraj Avenue  
Adyar, Madras 600 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Grounds and 1880 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 5, First Main Road, Kasturbai Nagar, Kottur village, Adyar, Madras-20.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ethemma Thomas,  
No. 9 Alwarthiru Nagar,  
Madras-87.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rao Gopal Rao  
Plot No. 72, Lady Madhavan Nair Colony,  
Nungambakkam,  
Madras-34.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 24th June 1978

Ref. No. 5879/Oct/77.—Whereas, I. K. PONNAN  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-  
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Plot No. 72, situated at Lady Madhavan Nair Colony,  
Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar, Madras (Doc. No. 710/77) on October, 1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Grounds (with building) situated at  
Plot No. 72, R.S. No. 622/1 Part Lady Madhavan Nair  
Colony, Nungambakkam, Madras-34.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-6-1978

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

MADRAS-6, the 23rd June 1978

Ref. No. F. 8025/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS Nos. 187/1, 187/2, 194/4, 5, 6, Moovanallur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at JSR I, Madras North (Doc. No. 2868/77) on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—156GI/78

(1) Shri S. Ilasanthil Arill,  
Director, M/s. South India Breweries Ltd.  
No. 77/79 Wallajah Road,  
Madras-2

(Transferor)

(2) Smt. Rajalakshmi Ammal,  
W/o Shri Gnanasundara Vandiyar;  
Kalaichelvan (Minor),  
S/o Shri Gnanasundara Vandiyar,  
Moovanallur,  
Mannargudi Taluk, Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Moovanallur Village, Mannargudi Taluk :

	A.	C.
R. S. No. 187/1	4	23
R. S. No. 187/2	1	89
R. S. No. 194/4, 5, 6	1	43 1/3

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 23-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 24th June 1978

Ref. No. 8031/Oct/77.—Whereas, I. K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 100 Gandhi Adigal Salai situated at Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kumbakonam (Doc. No. 1674/77) on 14-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri V. Rajagopala Iyengar  
S/o Shri Vecraraghava Iyengar  
Executor of the estate of A. V. Komalavalli ammal  
Doctor,  
Gandhi Adigal Salai, Kumbakonam. (Transferor)

(2) Shri K. K. Ramamurthy,  
C/o Gowri Vilas,  
100 Gandhi Adigal Salai,  
Kumbakonam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 4108 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 100, Gandhi Adigal Salai, Kumbakonam.

K. PONNAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 26th June 1978

Ref. No. 8041/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 3074/3, situated at Ward No. 12, Block No. 44, East Raja St., Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Pudukottai (Doc. No. 1662/77) on 24-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kamalambal,  
W/o K. Gopalachariar,  
No. 6, Gopalapuram 7th St.,  
Madras.  
2. Shri G. Krishnan;  
3. Shri G. Muralidharan;  
4. Rajalakshmi;  
5. Devaki;  
6. Subnadra;  
7. Chitra.

(Transferor)

- (2) Shri Adaikkan Ambalam,  
S/o Shri Mochayyan Ramiah Ambalam  
Vadakattupatty,  
Thirumayam Taluk, Pudukottai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 5115 Sq. ft. (with building) situated at T.S. No. 3074/3, Ward No. 12, Block No. 44, East Raja Street, Pudukottai. (Doc. No. 1662/77—JSR I Pudukottai).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 24th June 1978

Ref. No. 8043/Oct/77.—Whereas, I. K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 273/107-109, situated at First Street, Kamarajapuram, Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. No. 1649/77) on 22-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. Rajarathnam,  
S/o Shri R. Daniel Pillai,  
No. 31 Coral Merchant St.,  
Madras.

(Transferor)

(2) Smt. S. Janaki,  
W/o Shri AL. Subramanian Chettiar,  
Ramachandrapuram Post,  
Pudukottai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing T.S. No. 273/107—109, situated at First Street, Kamarajapuram, Pudukottai (Ward No. 3; Block No. 135) (Doc. No. 1649/77).

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 23rd June 1978

Ref. No. 8050/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. XII-5-9 situated at East Street, Thirunageswaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tiruvudaimarudur (Doc. No. 2013/77) on 29-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Srinivasa Pillai  
East St., Tirunageswaram,  
Thanjavur Dist.

(Transferor)

(2) Shri R. Thirunavukarasu,  
S/o Shri Ramaswami Mudaliar,  
XII-5-9, East St.  
Tirunageswaram (Tanjore Dist.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. XII-5-9, East Street, Thirunageswaram (Doc. No. 2013/77).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 23-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) T. K. R. S. Dakshinamurthy,  
S/o Shri Somaskandam Pillai,  
No. 6 Durgai Sannadhi,  
Tiruvarur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) S/Shri A. Govindasami and A. Ramasami,  
S/o Shri Annamalai Chettiar,  
No. 3/A Udayar St.,  
Tiruvarur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6**

Madras-6, the 23rd June 1978

Ref. No. 8051/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 75A and 76 situated at Nagai Road, Vijayapuram, Tiruvarur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruvarur (Doc. No. 2075/77) on 29-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 4746 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 75-A and 76, Nagai Road, Vijayapuram, Tiruvarur. (T.S. No. 870/1 and 871).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 23-6-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 26th June 1978

Ref. No. 8052/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 61 situated at Dabcer West St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 1739/77) on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri G. Venkatesan,  
S/o Shri K. S. Gopalasami Iyer,
2. Shri V. Balasubramaniam,  
S/o Shri G. Venkatesan;
3. Shri V. Jayasankar (Minor),  
S/o Shri C. Venkatesan;  
No. 14A/40 West Extension Area,  
New Delhi.
4. Shri G. Gurengan,  
S/o Shri K. S. Gopalsami Iyer,
5. Shri G. Raghuraman; and
6. Shri G. Sreedharan  
No. 69, Jili Nagar, Madras-94.

(Transferor)

- (2) Shri Sivasubramaniam,  
S/o Shri K. M. S. Muthiah Chettiar;  
Shri atarajan,  
Shri Natarajan,  
S/o Shri K. M. S. Muthiah Chettiar  
No. 20 Srikumbeswaraswami Koil North St.  
Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 61, Dabcer West Street, Kumbakonam.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 26th June 1978

Ref. No. 8053/Oct/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 14, situated at est WYyan St., Kumbakonam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 1734/77) on 22-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri R. Shanmugham Pillai,  
S/o Shri Ramu Pillai,  
No. 8 Kothanar Lane,  
Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Ravindharan,  
S/o Shri R. Shanmugham Pillai,  
No. 14 West Ayyan Street,  
Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 14, (T.S. No. 2422) West Ayyan Street, Kumbakonam.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-6-1978

Seal :



## FORM ITNS ———

(1) Shri Hari Narayan Basu,  
28/3/7, Nakuleswar Bhattacharjee Lane,  
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pramod Kumar Bagaria,  
25, Jadulal Mullick Road,  
Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 31st May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. Ac-8/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LAL-  
MAWIA

being the competent authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-  
vable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

25-D, situated at Belvedere Road, Calcutta  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
District Registrar, 24-Prgs, Alipore on 14-10-77  
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen percent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

15—156GI/78

## THE SCHEDULE

25-D, Belvedere Road, Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 31-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Brojendra Nath Basu.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sudhir Kumar Poddar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th June 1978

Ref. No. AC-15/Acq.R-IV/Cul/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6/4 situated at Gopal Chatterjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 9 chittaks 15 sft together with two storied building thereon situated at 6/4, Gopal Chatterjee Road formed out of 7, Gopal Chatterjee Road, P.S. Cossipore, Calcutta more particularly as per deed No. 4680 of 1977.

P. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Anadi Nath Das.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Sri Ashutosh Das  
2. Sm. Shefali Das  
3. Sri Phanindra Nath Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA

Calcutta, the 17th June 1978

Ref. No. AC-16/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 104 situated at alt Charan Ghosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 10 cottahs 12 chittaks 33 sft together with building thereon situated at 104, Kali Charan Ghosh Road, P.S. Cossipore, Calcutta, more particularly as per deed No. 4935 of 1977.

P. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Bhabesh Chandra Mitra  
11/48 Panditia Road,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Maghi devi & others  
All of 34 Vivekananda Road

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI  
ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd June 1978

Ref. No. 406/Acq.R-III/Cal/78-79.—Whereas, I, KISHORE SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 269/1 situated at Netaji Subhas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Officer at Calcutta on 8-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All the piece and parcel of land admeasuring 15 cottahs 2 chittacks with hutments thereon situated at 269/1, Netaji Subhas Road, Calcutta as per deed no. I 4719 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed  
Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16.

Date : 23-6-78  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI  
ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 27th June 1978

Ref. No. 407/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, KISHORE SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 129A situated at Arabindra Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tulsi Charan Roy  
Vill. : Makua  
P.O. Sankrail,  
Distt. Howrah.

(Transferor)

(2) Shri Manasha Ram Bhattacharyya  
113A, Arabinda Sarani,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land admeasuring 5.5. cottahs more or less together with one storied structures erected thereon at premises No. 129A, Arabinda Sarani, P. S. Shyampukur, Calcutta as per deed No. 14938 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed  
Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16.

Date : 27-6-78  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 54/78-79.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinakesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S. 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hutog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Sri Ailash Charan, H. No. 8-2-626/6 at Road No. I Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 10 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2978/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS- -----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 55/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. land situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh; 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. J.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri I. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S. 7. Mrs. Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hattog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Sinaig Construction Company, at 5-8-61, Abad Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, II. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Sri B. Vaidha Reddy and Smt. B. Padmani Devi, 3. Smt. K. Shalaja Reddy, 1 Smt. G. Manjula Reddy, 5. Sri B. Sudhashchander Reddy, C/o. Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot land in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 652 sq. yds. registered vide Document No. 2966/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 56/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. of land situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o later Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S. 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8 612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Sri B. Subhashan Reddy, S/o B. Agareddy, Advocate, H. No. 3-5-170-A Narayanguda, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. land in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2963/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 57/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 situated in premises No. 3-5 874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

16—156GI/78

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o later Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S. 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad, Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Smt. J. Revathi, W/o Sri J. Venkateswar Reddy, H. No. 6-3-550/2 at Punjagutta, Hyderabad-4.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 4 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 410 Sq. Yds. registered vide Document No. 2977/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref No. RAC. No. 58/78 79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 12-A situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Srinagesh, 2. Sri Ashok Srinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Srinagesh, 4. Sri J. M. Srinagesh 5. Mrs. Malati Srinagesh 6. Mrs. Kamala S, 7. Miss Leila M. Srinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Srinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad Rep. by partner Shri Kailash Chatur, H No. 8 2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Sri Kishan Kumar Agarwal, H. No. 5-4-334 at Mozamjahia Road, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 12-A in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring, registered vide Document No. 2961/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 59/78-79.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11 &amp; 12

situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering officer at Joint Sub-Regist.

Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Sri Ghousuddin Ahmed, H. No. 22-1-948 at Sultanpura, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 11 &amp; 12 the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2959/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref No. RAC. No. 60/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated in premises No. 3 5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Joint Sub-Regist. Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Shri Mahabir Pershad, H. No. 8-2-626/6 at Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 9 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2971/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 61/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12-A situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shukuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi, 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferees)

- (2) Sri Kesarimal Karwa and Dr. Gattulal Karwa, C/o Whole sale cloth Merchant, Karcemnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 1 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2970/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref No. RAC. No. 62/76-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Shrinagesh S/o late Air Vice Marshal M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S, 7. Miss Leela M Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34 Vasant Vihar Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad. Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Sri V. Veerareddy, H. No. 1-8-453 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 5 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2969/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 63/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Joint Sub-Registrar  
Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Srinagesh, 2. Shri Ashok Srinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Srinagesh, 4. Sri J. M. Srinagesh, 5. Miss Malati Srinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Ueda M. Srinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Srinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, II. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Smt. G. Ahalya, W/o Sri G. Veerareddy, II. No. 19/3-RT, CTB, Quarters Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 3 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2968/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-6-1978

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 64/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Shri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Madati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Smt. Manoramma, W/o Sri Ramniklal Kamdar, H. No. 1-8-44/3/1 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 2 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2967/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Rel. No. RAC. No. 65/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—156GI/78

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Shri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Miss Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Smt. P. Vijayalaxshmi Reddy, W/o P. Mahendra Reddy, H. No. 5-3-847 at Mozamjahi Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 8 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2965/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 66/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. of land situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Dr. Mahmood Sultana, W/o Dr. Mohd. Ibrahim, H. No. 3-5-855/3 at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, admeasuring 335 sq. yds. registered vide Document No. 2964/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date. 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS-8

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 67/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 15 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) 1. Sri Mahadev Shrinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L.H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Abalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

- (2) Dr. G. Sulochana W/o Dr. G. Ramakrishnareddy, H. No. 3-5-1093/A-18 at Venkateshwara Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 15 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2962/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad,

Date . 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1978

Ref. No. RAC. No. 68/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 14 situated in premises No. 3-5-874 at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar Hyderabad in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Mahadev Srinagesh S/o late Air Vice Marshal, M. M. Shrinagesh, 2. Sri Ashok Shrinagesh, 3. L. H. of late Gen. S. M. Shrinagesh, 4. Sri J. M. Shrinagesh, 5. Miss Malati Shrinagesh, 6. Mrs. Kamala S., 7. Miss Leila M. Shrinagesh, 8. Mrs. Shakuntala M. Hartog, 9. Mrs. Ahalya Bai M. Shrinagesh, all residing at 34, Vasant Vihar, Vasant Marg, New Delhi. 10. M/s. Smarg Construction Company, at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad. Rep. by partner Sri Kailash Charan, H. No. 8-2-626/2 at Banjara Hills, Hyderabad, Road No. 1.

(Transferors)

(2) Sri Amarnath Agarwal, C/o Jain Pharmacy, Medical Hall, at Siddiember Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 14 in the premises bearing No. 3-5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2960/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 76/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1-1-113/A situated at X-cross Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 13-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri R. Krishna Reddy, H. No. 1-1-113/A at Charminar Cross Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Somanath, S/o Sri P. Mahindranath, H. No. 2-1-527/5 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1-1-113/A at Charminar Cross Road, Double storied building, registered vide Doc. No. 2772/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 77/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 in S. No. 206 situated at New M.L.A. Quarters, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Syed Altaf Hussain, 2. Sri Syed Ahmed Hussain both residing at H. No. 5-1-437 at Jambagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Rajaram S/o Ishwardas, 5-8-56/57 at Nampally, Station Road, Hyderabad.  
2. Suresh Kumar S/o Ishwardas, 5-8-56/57 at Nampally, Station Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of open land No. 1 on S. No. 206 admeasuring 400 Sq. Yds. situated at New M.L.A. Quarters, Basheerbagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2927/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 80/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-6-802/1/B/1 situated at Red Hills, Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sher Banu Sajanal Saheba W/o Sri Janab Jalal-uddin Sajanal Saheb, H. No. 11-6-862/1 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Gulam Mohammed Saheb H. No. 11-4-643/A.C. Guards Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Western side First floor flat No. 11-6-862/1-B-1, admeasuring 1176 Sq. fts. situated at Red Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2773/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 81/78-79,—Whereas, I, K. S.  
VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of 6-3-580 situated at Khairtabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad in October 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sri 1. Mohd. Shoukatullah, 2. Mohd. Hashmatullah, 3. Ameena Begum, 4. Smt. Zaiab Begum, 5. Smt. Waheed Begum R/o S. No. 1 to 3 H. No. 6-3-580 Khairtabad, Hyderabad. S. No. 4 H. No. 19-2-81 at Khaja Pahadi, Hyderabad S. No. 5 20-2-479 Johargalli, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mohd. Sayeed Ali Adal, H. No. 23-2-313 at Moghalpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern portion of House No. 6-3-580 situated at Khairtabad Hyderabad, admeasuring 856 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2454/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-6-1978

Seal :



## FORM ITNS—

- (1) S/Sri Mohd Shoukatullah, 2. Mohd. Hashmatullah, 3. Smt. Aameeda Begum, 4. Smt. Zainab Begum, 5. Smt. Waheed Begum, R/o H. No. 6-3-580 Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Sayeed Ali Adal, H. No. 23-3-313 Mogalpura, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC No. 82/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion 6-3-580 situated at Khairtabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on October 77

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—156 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Northern portion of H. No. 6-3-580 situated at Khairtabad Hyderabad, admeasuring 935 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2455/77 in the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Haji Ghulam Mohammed, H. No. 1-7-330 Park lane Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1978

Ref. No. RAC. No. 83/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion 121/A situated at Park lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

- (2) 1. Sri Mutyala Chinna Srisailam, 2. M. Baleshwar, 3. M. Malleshwar, 4. M. Rameshwar, 5. M. Srinivasa, Vendees No. 3, 4 and 5 being minors represented by their father and natural guardian Sri M. Chinna Srisailam, all residing at No. 1520 Naka Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Building No. 121/A (M.C. No. 1-7-329, 330, 331, 332, 336, and 337 situated at Park lane, Secunderabad admeasuring 565 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1687/77 with the sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-the 30th June 1978

Ref No. IAC/Acq. I/78-79/1591.—Whereas I, J. S. GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-494, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Kumar Mukerji s/o Sh. Satya Nand Mukerji r/o E1494, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar and Rajesh Kumar s/o Sh. H. R. Nanda r/o J-27, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. E-494 built on a plot of land measuring 550 sq. yds. in the residential colony of Greater Kailash-II, New Delhi & bounded as under:—

East : Plot No. 492  
West : Plot No. E-496  
North : Road  
South : Road

J. S. GILL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1978

Ref. No. ASR/19/78/79.—Whereas, I, H. S. DHURIA, I.R.S. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. shops, situated at Farid Da Chowk Gali Arroria, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Parkash s/o Shri Devi Parshad Razdan and Shri S. P. Razdan self and wasiyat Mukhtar Khas in Janab Shri Baldev Parsad Razdan.  
(Transferor)
- (2) Shri Bachan Lal s/o Shri Pala Ram Kt. Ghanyan, Haveli Sardar Aroor Singh, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5 shops Farid da Chowk, Gali Arroria, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 2369 of October 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

H. S. DHURIA, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 13-6-1978

Seal :